मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-192, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री यादव ने वस्त्र, उच्च शिक्षा, रसायन एवं उर्वरक तथा फार्मा क्षेत्र के उद्योगपतियों से की वन टू वन चर्चा

निवेशकों को सुविधा, साथ और सहयोग भी देगी हमारी सरकार

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2040 तक रसायन एवं उर्वरक से जुड़े वाणिज्यिक व्यवसायों का टर्न ओवर 1 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का संकल्प देश के सामने रखा है।

इस संकल्प लक्ष्य की पूर्ति के लिए देश की सभी राज्य सरकारें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ केन्द्र सरकार के साथ तेजी से कदमताल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोकेमिकल्स, पेट्रो पालिमर्स, फर्टिलाइजर्स, विभिन्न प्रकार के रसायनों एवं दवाओं के निर्माण के लिए मध्यप्रदेश में अनेक अवसर उपलब्ध हैं। हमने मप्र में निवेश के लिए एक बेहद आसान, सरलीकृत एवं पारदर्शी व्यवस्था स्थापित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुंबई के बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर में हो रहे तीन दिवसीय 'इंडिया केम 2026' के



उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बातें कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रसायन एवं उर्वरक क्षेत्र में निवेश के इच्छुक सभी निवेशकों को हम पूरी सुविधा, साथ, सहयोग, सुरक्षा देकर हर जरूरी मदद करने के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। निवेशक बिना किसी संकोच के मप्र में निवेश करें और यहां के अवसरों एवं उद्योग अनूकूल नीतियों का भरपूर लाभ उठाएं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को रसायन एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के प्रमुख 'ग्लोबल हब' के रूप में स्थापित करने के राज्य सरकार के संकल्प को दोहराया। उन्होंने देश-विदेश के उद्योगपतियों और निवेशकों को वर्ष 2027 में होने वाली 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया। इस वर्ष इंडिया केम-2026 की थीम 'एडवांटेज भारत झ्र एन इमर्जिंग ग्लोबल केमिकल्स हब' रखी गई है। यह आयोजन 24 अक्टूबर तक चलेगा। मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल इस बार स्टेट पार्टनर्स के रूप में इंडिया केम से जुड़े हैं।

बीना: पेट्रोकेमिकल का नया गढ़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बीना मध्यप्रदेश के पेट्रोकेमिकल उद्योग का नया गढ़ बन रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सागर जिले के बीना में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल यूनिट का भूमि-पूजन किया जा चुका है। यहां हर साल 22 लाख टन से अधिक पेट्रोकेमिकल उत्पाद तैयार होंगे। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की लगभग 49 हजार करोड़ रुपये की एथिलीन क्रैकर एवं रिफाइनरी विस्तार परियोजना भी मध्य भारत में पेट्रोकेमिकल आधारित उद्योगों के लिए अवसर उपलब्ध कराएगी। उन्होंने इंडियन ऑयल, रिलायंस और हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स जैसी कंपनियों से बीना के आसपास पॉलिमर प्रसंस्करण और वितरण की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया।

दिल्ली नगर निगम में हंगामा, भाजपा-आप के पार्षद भिड़े

एजेन्सी, **नई दिल्ली**



दिल्ली नगर निगम के सदन में शुक्रवार को प्रदूषण पर बहस के दौरान हंगामे हो गया। इस दौरान पार्षदों ने माइक तोड़ने और फाइलें फेंकने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण से कैसे निपटा जाए, इस पर सदन में चर्चा होनी थी। लेकिन बैठक शुरू होते ही जोरदार हंगामा, धक्का-मुक्की और तोड़फोड़ में बदल गई। भाजपा और आप के पार्षदों ने एक-दूसरे पर चिल्लाया, पानी फेंका और फाइलें उड़ाईं। इसमें कांग्रेस के पार्षद भी शामिल थे।

हालात इतने बिगड़ गए कि मार्शलों को बीच-बचाव करके मेयर प्रवेश वाही को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा विवाद तब शुरू हुआ जब आप पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों के विकास के लिए तुरंत फंड जारी करने की मांग की। इस पर मेयर वाही ने तुरंत 25 लाख रुपए देने का ऐलान किया और कहा कि इस वित्तीय वर्ष में पार्षदों को कुल 2 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

मेयर के इस ऐलान से भी विपक्ष शांत नहीं हुआ। आप पार्षदों की मांग थी कि तुरंत मिलने वाले इस फंड को बढ़ाकर कम से कम 1 करोड़ रुपए किया जाए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद और बढ़ गया।

भारत की दोटूक, दिल्ली में प्रदर्शनों पर टिप्पणी के बाद जताया विरोध

मानवाधिकार राजनीतिक दबाव का जरिया नही

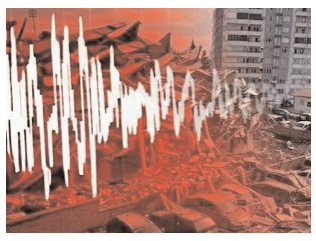
एजेन्सी, **नई दिल्ली**



भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रति दोहरा चरित्र जताने को लेकर सख्त आपत्ति जताई है। बिना पुष्टि के लगाए गए आरोपों और अधूरे आंकड़ों के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नकारात्मक छवि पेश करने के प्रयासों का विरोध करते हुए भारत ने दोटूक कहा है कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने या चुनिंदा तरीके से देशों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय में उप सचिव बरखा ताम्रकर ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ मिलकर काम करता है, लेकिन यह सहयोग संवाद, विचार-विमर्श और आपसी सहयोग पर आधारित होना चाहिए। साथ ही, इसमें बिना किसी भेदभाव के सभी देशों के साथ समान व्यवहार और पारदर्शिता के सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए। ताम्रकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में ह्यबलपूर्वक लापता किए गए लोगों से संबंधित कार्य समूहह्ल से जुड़े एजेंडे पर चर्चा के दौरान भारत का पक्ष रखा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने या चुनिंदा तरीके से देशों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। ताम्रकर ने कहा कि हम सभी प्रतिनिधिमंडलों से आग्रह करते हैं कि वे रिपोर्ट में कही गई बातों को सही तरीके से प्रस्तुत करें और किसी सूचना में लगाए गए आरोपों को साबित तथ्य के रूप में पेश न करें।

173 किमी गहराई में था केंद्र

तिब्बत में भूकंप के तेज झटके रिक्टर पैमाने पर 7.0 रही तीव्रता



एजेन्सी, **नई दिल्ली**

तिब्बत में रात करीब 8:03 बजे भूकंप आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 173 किलोमीटर की गहराई में था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी।

तीन सितंबर को भी तिब्बत में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तब भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.0 मापी गई गई थी। भूकंप के झटके दोपहर करीब 1:46 बजे दर्ज किए गए। भूकंप का केंद्र 31.479 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 80.370 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। इसकी गहराई जमीन के अंदर करीब 14 किलोमीटर बताई गई। भूकंप का लोकेशन तिब्बत क्षेत्र में दर्ज किया गया।

पहले ही त्रासदी की मार झेल रहा तिब्बत

26 अगस्त को ग्लेशियर टूटने के बाद तिब्बत में भूकंप के झटके महसूस हुए थे, वहीं इसके बाद तिब्बत को बाढ़ की मार झेलनी पड़ी है। चीन सीमा से जुड़े इलाके में बड़े पैमाने पर तबाही देखने को मिली है। जनवरी 2025 में तिब्बत में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये थे। इस भीषण भूकंप में 120 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए थे। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार, सुबह 9:05 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 6.8 मापी गयी थी।

नेतन्याहू की पीएम मोदी से बात: इस्राइली

इस्राइली स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने का दिया न्योता, कैप्टन मच्छार होंगे साथ

एजेन्सी, **तेल अवीव**



इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। उन्हें अपने देश के स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी को भारतीय पायलट स्मित मच्छार के साथ मशाल प्रज्वलित करने का निमंत्रण दिया। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने पीएम मोदी को अपना मित्र कहते हुए भारत और इस्राइल के पुराने संबंधों की सराहना की।

उन्होंने आगे बताया कि पीएम मोदी ने इस निमंत्रण के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इस्राइल जमीन और हवा, दोनों जगह आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ रहे हैं।

मोदी और नेतन्याहू के बीच किन मुद्दों पर हुई बात?

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके इस्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया। दोनों नेताओं ने भारत और इस्राइल के संबंधों में लगातार बनी गति का स्वागत किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता भी दोहराई। बातचीत में पश्चिम एशिया के हालात पर भी विचार किया गया।

पश्चिम एशिया में शांति के लिए मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री कार्यालय ने आगे बताया कि नेतन्याहू के साथ बातचीत में मोदी ने शांति बहाल करने के लिए संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने पर भारत का रुख दोहराया। इसका अर्थ है कि भारत बातचीत और आपसी सहमति के जरिए क्षेत्र में तनाव कम करने और स्थिरता लाने का समर्थन करता है। दोनों नेताओं की बातचीत में आतंकवाद के खिलाफ सहयोग के साथ पश्चिम एशिया में शांति का मुद्दा भी अहम रहा।

10 महीने के निचले स्तर पर सफेद धातु

सोना 1,000 टूटा और चांदी 5,900 धड़ाम

एजेन्सी, **नई दिल्ली**



वैश्विक बाजार से मिले कमजोर संकेतों के कारण दिल्ली के सराफा बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,000 टूटकर 1.48 लाख प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई और यह 5,900 फिसलकर 2.07 लाख प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई, जो पिछले 10 महीनों का सबसे निचला स्तर है।

ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के जारी आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव बुधवार को 1.49 लाख प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को इसमें 1,000 की सीधी गिरावट आई और यह 1.48 लाख प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी के बाजार में बिकवाली का दबाव और भी ज्यादा देखने को मिला। पिछले कारोबारी दिन 2,13,400 प्रति किग्रा पर बंद हुई चांदी सभी करों सहित 5,900 टूटकर 2.07 लाख प्रति किग्रा पर आ गई। चांदी का यह स्तर बीते 10 महीनों में सबसे कम है। इससे पहले 18 दिसंबर 2025 को चांदी का भाव 2,07,600 प्रति किग्रा के आसपास दर्ज किया गया था। घरेलू बाजार में आई इस गिरावट का सीधा संबंध वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में हुई बिकवाली से है।

कोरोना के समय जब सहयोग की जरूरत थी, तब सबने अपना स्वार्थ देखा

पीएम मोदी बोले-दुनिया बदल रही, भारत की भूमिका अहम

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

पीएम मोदी एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2026 को संबोधित कर रहे हैं। वो इवेंट के थीम के तहत दुनिया की मौजूदा राजनीति, अर्थव्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और दुनिया भर में भारत की भूमिका पर अपनी बात रख रहे हैं। पीएम ने अपनी स्पीच की शुरूआत में कहा कि हमें दो बातों को समझना होगा। पुराना ग्लोबल ऑर्डर आज की चुनौतियों का समाधान क्यों नहीं दे पा रहा है, इस बदलती दुनिया में भारत की भूमिका क्या है।

मोदी ने कहा कि कोरोना के दौर में हमने देखा कि सब स्वार्थी हो गए थे लेकिन उस दौरान भी भारत ने पूरी दुनिया में वैक्सीन पहुंचाई। पीएम बोले- परस्पर विरोधी कहे जाने वाले भी भारत के मंच पर साथ आते हैं। ये विश्वबंधु के रूप में भारत की भूमिका का ही असर है।

हमारे यहां चाणक्य ने कहा है कि व्यवस्था कमजोर



पड़ती है तो मत्स्य न्याय पैदा होता है। यानी बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है। भारत जितना मजबूत होगा दुनिया भी उतनी ही मजबूत होगी। भारत दुनिया की टॉप 3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की कोशिश कर रहा है। देश ने वो दिन देखे हैं जब बिजली की डिमांड बढ़ने पर पूरा ग्रिड बैठ जाया करता था। लेकिन जब देश एक साथ चलता है तो पावर ग्रिड बैठता नहीं है आगे बढ़ जाता है।

पीएम की स्पीच की बड़ी बातें

- आजकल नए वर्ल्ड ऑर्डर की चर्चा भी हर कोई कर रहा क्योंकि इसका असर आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। हमें समझना होगा दुनिया का वर्ल्ड ऑर्डर बदल क्यों रहा है। और इस बदलती दुनिया में भारत की भूमिका क्या है।
- दूसरे विश्व युद्ध ने दुनिया को एक बड़ा सबक दिया था। दुनिया ने समझा था कि सम्मान, सहयोग और विवादों का समाधान भी जरूरी है। इसी ने यूएन की नींव रखी।
- यूएन ने अपनी भूमिका तो निभाई लेकिन आज दुनिया के सामने नई चुनौती है। टेक्नोलॉजी ने दुनिया को पूरी तरह बदल दिया। पहले जो देश उस वक्त ग्लोबल ऑर्डर का हिस्सा नहीं थे अब वो भी वहां आ गए हैं।
- लेकिन यूएन के सामने आज की चुनौतियां साफ दिखाई देती हैं। क्यों जब दुनिया की समस्याएं बदल जाएं और समाधान का तरीका नहीं बदले तो दूरियां दिखती हैं। और आज वही हो रहा है।
- आज ट्रेड वेपनाइजेशन का माध्यम बन रहा है, सी रूट आज जियोपॉलिटिकल टेंशन का केंद्र बन रहे हैं। इसलिए चुनौती ये है कि नई वास्तविकताओं को जगह कैसे मिले।

शाह बोले-कांग्रेस 30 साल तक सत्ता में नहीं आएगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन और धरने से कुछ हासिल नहीं होता। चुनाव जीतना है तो जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं समझनी होंगी और कल्याणकारी योजनाओं पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, विपक्ष राजनीतिक चालबाजी और भीड़ के दम पर जनता के जनादेश को चुनौती नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण अगले 30 साल तक सत्ता में नहीं आ पाएगी। शाह दिल्ली में यमुना पुनर्जीवन से जुड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड की 8,941 करोड़ रुपए की 33 परियोजनाओं की शुरूआत की।



अगर चुनाव जीतना है तो जनता के बीच जाइए और उनकी समस्याएं समझिए। ये प्रदर्शन और धरने कुछ हासिल नहीं करेंगे। जहां आपकी सरकार है, वहां जनता के कल्याण के लिए योजनाएं लागू कीजिए, नहीं तो बाकी जगहों से भी आपका सफाया हो जाएगा। भाजपा की जीत के बाद चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए जाते हैं। दरअसल विपक्ष वोट चोरी का मुद्दा उठाकर अपनी हार का बहाना बना रहा है। जब विपक्ष चुनाव हारता है तो चुनाव आयोग की आलोचना करता है, जबकि अदालतों के फैसले अपने पक्ष में आने पर उन्हें सही बताता है।

मझौली में हाईटेंशन लाइन बनी काल, 10 से अधिक लोग झुलसे

सावधानियों के दावों के बीच फिर मातम, विसर्जन जुलूस में करंट से 3 की मौत

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



त्योहारों पर सुरक्षा के इंतजामों को लेकर हर साल निर्देश जारी होते हैं, बैठकें होती हैं और हादसों से सबक लेकर सावधानी बरतने के दावे किए जाते हैं। लेकिन इन दावों की हकीकत मझौली में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए दर्दनाक हादसे ने उजागर कर दी। देर रात करीब एक बजे बिजली के तारों की चपेट में आने से तीन युवकों की जान चली गई, जबकि दस से अधिक लोग झुलस गए। जिस उत्सव में मां दुर्गा को विदाई देने के लिए लोग एकत्र हुए थे, वहां कुछ ही पलों में चीख-पुकार और अफरातफरी का माहौल बन गया। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर सुरक्षा संबंधी चेतावनियों और व्यवस्थागत खामियों के बावजूद लोगों की जान जोखिम में क्यों पड़ रही है? प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन पाठ की दुर्गा प्रतिमा ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर नरीली तालाब में विसर्जन के लिए ले जाई जा रही थी। प्रतिमा के साथ 50 से अधिक लोग चल रहे थे। जुलूस जब सिविल लाइन के पास पहुंचा, तब रास्ते में झूल रहे बिजली के तार को ऊपर उठाने का प्रयास किया गया। इसी दौरान तार के हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से करंट फैल गया। इसके बाद तार टूटकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर गिर गया और उसकी चपेट में आए लोग बुरी तरह झुलस गए। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार 22 वर्षीय विकास राजपूत और 23 वर्षीय प्रिंस चौहान की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे युवक ने रविवार सुबह अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, मयंक राजपूत, विक्की रैकवार, मनीष राजपूत और आयुष रैकवार सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। घायलों को पहले मझौली स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।इस हादसे का सबसे गंभीर पहलू यह है कि स्थानीय लोगों के मुताबिक, बिजली के तार नीचे झूलने की समस्या पहले भी अधिकारियों के सामने उठाई गई थी। बताया गया कि पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों और आयोजन समिति के सदस्यों की बैठक में इस खतरे की ओर ध्यान दिलाया गया था और तारों को दुरुस्त कराने की बात भी कही गई थी। इसके बावजूद यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो यह महज तकनीकी चूक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने में हुई गंभीर विफलता का मामला है।सवाल यह है कि जब विसर्जन मार्ग पर बिजली के तारों से खतरे की आशंका पहले से थी, तो समय रहते निरीक्षण क्यों नहीं कराया गया? बिजली विभाग ने तारों को सुरक्षित ऊंचाई पर रखने के लिए क्या कदम उठाए? आयोजन समिति और प्रशासन ने जुलूस रवाना होने से पहले मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित की थी या नहीं? इन सवालों के जवाब जांच के जरिए सामने आने चाहिए। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद घायलों को मझौली स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन वहां तत्काल उपचार की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। लोगों के अनुसार, डॉक्टर करीब आधे घंटे बाद पहुंचे। उनका दावा है कि तब तक दो युवकों की मौत हो चुकी थी। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है, लेकिन यदि आपात स्थिति में समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध नहीं थी, तो यह भी जांच का विषय है।

जनसंपर्क कार्यक्रमों के जरिए लोगों तक पहुंचेगी पार्टी

भाजपा ग्रामीण ने शुरू की लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ अभियान की तैयारी



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

भारतीय जनता पार्टी जबलपुर ग्रामीण की ओर से 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान को लेकर गुरुवार को रानीताल स्थित संभागीय कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। 22 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान की तैयारियों पर चर्चा करते हुए पार्टी पदाधिकारियों ने इसे जिले के प्रत्येक मंडल, बूथ और गांव तक पहुंचाने की रणनीति बनाई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल ने की। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अभियान की पृष्ठभूमि, रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी।

बैठक में चुनाव आयोग सहित लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, मतदाता सूची की शुद्धता और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर जनजागरण पर जोर दिया गया। बैठक में भाजपा नेताओं ने कहा कि विपक्ष की ओर से लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनाव आयोग के संबंध में लगाए जा रहे आरोपों तथा एसआईआर प्रक्रिया को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम का जवाब जनता के बीच तथ्यों के साथ दिया जाएगा। पार्टी ने मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने और पात्र नागरिकों के मताधिकार की रक्षा को अभियान का प्रमुख विषय बताया। बैठक में कार्यक्रम प्रभारी अभिषेक हरि सिंह, जिला महामंत्री राजेश दाहिया, रुपेश पटेल, कृष्ण शेखर सिंह, अलका गर्ग, पुष्पराज बघेल, अनुपम सराफ, राकेश पटेल, अंकुर जैन, ओम दुबे, मोर्चा जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, हर्ष तिवारी, सिद्धांत नामक, अभिजीत और बापी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। युवा एवं विद्यार्थी संवाद और सोशल मीडिया के माध्यम से जनसंपर्क किया जाएगा।

बीड़ी देने से इनकार पर युवक के पेट में घोंपा चाकू, हालत गंभीर

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



बीड़ी देने से इनकार करने पर शुरू हुआ मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक को चाकू के वार से गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पनागर क्षेत्र में हुई इस वारदात में घायल विकास सोनी को उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में दो नाबालिगों की भूमिका सामने आई है। पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर को पुलिस कंट्रोल रूम को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि सिहोरा के बाबा हैंडपंप के पास पनागर रोड पर एक युवक पर चाकू से हमला किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घायल की पहचान विकास सोनी के रूप में हुई, जो ट्रेन में वेंडर का काम करता है।थाना प्रभारी विपिन सिंह के मुताबिक, घटना के समय विकास अपने मोहल्ले में बैठकर बीड़ी पी रहा था। इसी दौरान मोहल्ले के दो नाबालिग वहां पहुंचे और उससे बीड़ी मांगी। विकास ने बीड़ी देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर हाथापाई होने लगी। इसी दौरान सनी पटेल नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर विकास के पेट में चाकू घोंप दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल विकास को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। बीड़ी जैसी मामूली बात को लेकर विवाद का चाकूबाजी तक पहुंच जाना क्षेत्र में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति पर सवाल खड़े करता है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

गोरखपुर और लार्डगंज में मारपीट की 2 घटनाएं

दशहरा देखकर लौट रहे परिवार पर 3 युवकों ने किया हमला, पिता-पत्नी और बेटे को आई चोटें

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



दशहरा के दौरान मारपीट की दो अलग-अलग घटनाओं में पिता-पुत्र सहित चार लोग घायल हो गए। गोरखपुर थाना क्षेत्र में बाइक चलाने की बात पर हुए विवाद में तीन युवकों ने एक परिवार पर हमला कर दिया, जबकि लार्डगंज क्षेत्र में एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोरखपुर थाना पुलिस के अनुसार, कंजर मोहल्ला स्थित ओम साईं मंदिर के पास रहने वाले 40 वर्षीय नितिन जाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह हमाली का काम करते हैं। 20 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से पत्नी और बेटे नैतिक जाट के साथ दशहरा देखने निकले थे। छोटी लाइन गोरखपुर के पास पल्सर बाइक पर सवार तीन युवक उनके बगल में आए। इनमें से एक ने बाइक चलाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। नितिन के जवाब देने पर तीनों युवक गाली-गलौज करने लगे। नितिन ने बाइक किनारे खड़ी की तो आरोपियों ने किसी वस्तु से उन पर हमला कर दिया। हमले में नितिन के चेहरे, पीठ और गले में चोटें आई, जबकि उनकी पत्नी के हाथ और बेटे के बाएं हाथ व चेहरे पर चोट लगी। आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। मौके पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों ने युवकों से पूछताछ की, जिन्होंने अपने नाम जतिन ठाकुर, ललित ठाकुर और कार्तिक ठाकुर बताए। तीनों पंसारी मोहल्ला के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। दूसरी घटना लार्डगंज थाना क्षेत्र की है। भड़पुरा, लटकारी का पड़ाव निवासी 18 वर्षीय श्लोक बेन ने पुलिस को बताया कि 20 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे वह अपने घर के सामने दोस्तों के साथ खड़ा था। इसी दौरान बिल्ला पटेल वहां पहुंचा और बिना किसी बातचीत के चाकू से हमला कर उसके बाएं गाल पर चोट पहुंचा दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। पुलिस ने शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 118(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेडीए करेगा 324 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 324 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। इन विकास कार्यों से जेडीए की योजनाओं के विकास को नई गति मिलने के साथ ही नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप अधोसंरचना विकसित करने में मदद मिलेगी, यह निर्णय जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन की अध्यक्षता में आयोजित जबलपुर विकास प्राधिकरण की संचालक मंडल की बैठक में लिए गए। बैठक में जेडीए की योजनाओं के सुव्यवस्थित विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार, राजस्व वृद्धि तथा जन-सुविधाओं से जुड़े कई दूरगामी एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में संचालक मण्डल के सदस्य प्रशांत केसरवानी उपाध्यक्ष, जबलपुर विकास प्राधिकरण, अरुण कुमार विश्वकर्मा - कलेक्टर, जबलपुर , अग्रिम कुमार - आयुक्त, नगर निगम, जबलपुर, विवेक के.वी. - मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सचिवजयवर्धन राय - संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जबलपुर, एस. के. गिरिया - मुख्य अभियंता, मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, जबलपुर , डी. के. मुशरकर - प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जबलपुर निर्मल श्रीवास्तव - कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, जबलपुर समस्त सदस्यों की उपस्थिति में संचालक मंडल की बैठक की कार्यवाही का प्रारंभ अध्यक्ष संदीप जैन की अनुमति से मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री विवेक के.वी. द्वारा किया गया। जबलपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाने हेतु दिनांक 31 अक्टूबर एवं 01 नवंबर 2026 को दो दिवसीय भव्य प्रॉपर्टी मेले का आयोजन किया जाएगा।

जबलपुर जिले में छह महीने में पांच साल से कम उम्र के 643 बच्चों की मौत, 20 प्रतिशत रेफर होकर आए

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जेडीए करेगा 324 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य

जबलपुर, (ईएमएस)। जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 324 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। इन विकास कार्यों से जेडीए की योजनाओं के विकास को नई गति मिलने के साथ ही नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप अधोसंरचना विकसित करने में मदद मिलेगी, यह निर्णय जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन की अध्यक्षता में आयोजित जबलपुर विकास प्राधिकरण की संचालक मंडल की बैठक में लिए गए। बैठक में जेडीए की योजनाओं के सुव्यवस्थित विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार, राजस्व वृद्धि तथा जन-सुविधाओं से जुड़े कई दूरगामी एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में संचालक मण्डल के सदस्य प्रशांत केसरवानी उपाध्यक्ष, जबलपुर विकास प्राधिकरण, अरुण कुमार विश्वकर्मा - कलेक्टर, जबलपुर , अग्रिम कुमार - आयुक्त, नगर निगम, जबलपुर, विवेक के.वी. - मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सचिवजयवर्धन राय - संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जबलपुर, एस. के. गिरिया - मुख्य अभियंता, मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी,

लंबित रेल परियोजनाओं को गति देने सहित विभिन्न मुद्दे उठाए

जबलपुर से अमृतसर-बनारस के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को जबलपुर रेल मंडल क्षेत्र के सांसदों के साथ बैठक आयोजित की गई। इसमें नई ट्रेनों के संचालन, ट्रेनों के ठहराव, यात्री सुविधाओं के विस्तार, स्टेशनों के पुनर्विकास और लंबित रेल परियोजनाओं को गति देने सहित विभिन्न मुद्दे उठाए गए। सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्रों की रेल संबंधी समस्याओं से अवगत कराते हुए यात्रियों की सुविधा और रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक में सतना सांसद गणेश सिंह, रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, जबलपुर सांसद आशीष दुबे, सागर सांसद लता वानखेड़े, नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी, सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्र, दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी और राज्यसभा सांसद माया नारोलिया उपस्थित रहीं। अन्य सांसदों ने भी अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सुझाव भेजे। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने सांसदों का स्वागत किया। उन्होंने यात्री सुरक्षा के लिए कवच तकनीक, अमृत भारत स्टेशन योजना और ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन सहित रेलवे की विभिन्न विकास परियोजनाओं की जानकारी दी। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जबलपुर मंडल में चल रहे विकास कार्यों का विवरण रखा। जबलपुर सांसद आशीष दुबे ने जबलपुर से अमृतसर और बनारस के लिए नई ट्रेनें शुरू करने का सुझाव दिया। उन्होंने जनशताब्दी एक्सप्रेस का भिटौनी स्टेशन पर ठहराव देने, कोरोना काल में बंद की गई ट्रेनों को दोबारा शुरू करने तथा जबलपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने की मांग रखी। इसके अलावा मदन महल, कछपुरा और आधारताल स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं बढ़ाने, गढ़ा, ग्वारीघाट और बरगी स्टेशनों को पश्चिम मध्य रेलवे में शामिल करने तथा जबलपुर-दमोह-सागर रेलमार्ग के सर्वे का सुझाव भी दिया। महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने सांसदों द्वारा दिए गए सुझावों पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की।

नगरीय निकायों में खरीदी मामले की हाईलेवल जांच कराएगी सरकार

मंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा- कीमतों में इतना अंतर क्यों, इसकी भी जांच होगी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्यप्रदेश के नगरीय निकायों में सरकारी खरीदी के दौरान कीमतों में भारी अंतर सामने आने के मामले में सरकार ने उच्चस्तरीय जांच कराने की बात कही है। नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि विभाग के कामकाज की निगरानी होती है। खरीदी या निर्माण कार्य में कोई गड़बड़ी सामने आती है तो उसकी जांच कर कार्रवाई की जाती है। एसीएस संजय दुबे के वायरल वीडियो के जरिए जो जानकारी सामने आई है, उसकी उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी। जो भी व्यक्ति इसमें संलिप्त होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। मंत्री ने यह भी कहा कि ऌद्दरू पोर्टल पर खरीदी में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो उसकी भी जांच कराई जाएगी। किसी उत्पाद की कीमत में इतना अंतर क्यों है, इसकी पड़ताल होगी। यह भी देखा जाएगा कि पोर्टल की प्रक्रिया में मौजूद कमियों का फायदा कैसे उठाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीदी में गड़बड़ी मिलने पर सभी जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो को लेकर सवाल पूछे जाने पर प्रतिमा बागरी ने कहा कि विभाग में खरीदी और निर्माण सहित सभी कामों की निगरानी होती है। गड़बड़ी मिलने पर विभाग जांच करता है और कार्रवाई भी करता है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई की गई है और जरूरत पड़ने पर उसकी सूची उपलब्ध कराई जा सकती है। मंत्री ने कहा, 'अभी जो वीडियो वायरल हुआ है, उसके माध्यम से जानकारी मिली है। हम इसकी उच्चस्तरीय जांच कराएंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। जो भी व्यक्ति संलिप्त होगा, उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।' जब उनसे पूछा गया कि खरीदी में शामिल सभी लोगों पर कार्रवाई होगी या नहीं, तो उन्होंने कहा कि सभी पर कार्रवाई की जाएगी। 200 स्ख्रष्ठ बल्ब 60 लाख में खरीदे नगरीय प्रशासन विभाग के एसीएस संजय दुबे का वायरल वीडियो भोपाल के भौंरी स्थित सुंदरलाल पटवा शहरी विकास प्रशिक्षण संस्थान में हुई विभागीय बैठक का बताया जा रहा है। बैठक में नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, संचालक और विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। वीडियो में संजय दुबे ने नगरीय निकायों की खरीदी में कीमतों के अंतर पर सवाल उठाते हुए कहा कि विभाग को पता है कि किस निकाय ने क्या खरीदा और किस दर पर खरीदा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस साल से गड़बड़ियों पर कार्रवाई होगी। करीब तीन मिनट बाद स्ख्रष्ठ के एडिशनल एमडी अंशुमन राज ने ऌद्दरू पोर्टल से हुई खरीदी का विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 2023 में एक नगर पालिका में 200 स्ख्रष्ठ बल्ब ?60 लाख में खरीदने की शिकायत से यह विश्लेषण शुरू हुआ था। इसके बाद प्रदेश के नगरीय निकायों की खरीदी का डेटा जुटाया गया। प्रस्तुति के मुताबिक, पिछले तीन साल में 374 नगरीय निकायों ने ऌद्दरू पोर्टल से करीब 1,134 करोड़ की खरीदी की। अंशुमन राज ने दावा किया कि यदि खरीदी औसत दर पर होती तो करीब 250 करोड़ बचाए जा सकते थे। संजय दुबे ने उदाहरण देते हुए बताया कि एक निकाय ने कचरा वाहन 2 लाख में खरीदा, जबकि दूसरे ने चार डस्टबिन के साथ इसी तरह का वाहन 6 लाख में खरीदा। उन्होंने आशंका जताई कि अतिरिक्त सामान जोड़कर कीमत बढ़ाई गई और अपने लोगों के जरिए खरीद कराई गई।

न्यूज ब्रीफ

शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना की जाँच शुरू 28 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकेंगे साक्ष्य



ग्वालियर। ग्वालियर में विगत 18 अक्टूबर की रात शीतला माता मंदिर के मुख्य द्वार पर ट्रक दुर्घटना के कारण हुई जनहानि के कारणों की जाँच के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने अपर जिला दण्डाधिकारी सी बी प्रसाद को जाँच अधिकारी नियुक्त किया है। जाँच अधिकारी द्वारा जाँच प्रारंभ कर दी गई है। जाँच अधिकारी सी बी प्रसाद ने उपरोक्त घटना के संबंध में कहा है कि कोई भी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष व्यक्ति जिसका प्रकरण में प्रत्यक्ष रूप से हित निहित न हो, साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता हो, वह दिनांक 26, 27 व 28 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अपर जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में कक्ष क्रमांक-201 में उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात साक्ष्य ग्रहण नहीं किए जा सकेंगे।

मदाखलत अमले ने हटाये कटआउट, बैनर



ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के मदाखलत टीम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी के क्रम में नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में मदाखलत अमले द्वारा शहर में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही कर अतिक्रमण हटाया गया इसके साथ ही अवैध रूप से एवं बिना अनुमति लगे पोस्टर, बैनर एवं कटआउट हटाये गये। नोडल अधिकारी मदाखलत केशव सिंह चौहान ने जानकारी देने हुये बताया गया कि निगम द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इसके तहत आज गुरुवार को ग्वालियर पूर्व विधानसभा के अन्तर्गत मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देषन में मांडरे की माता चौराहे से कटोरा ताल पिन्टू पार्क आदि सभी रूटो से लाइट के खंभो व चौराहा पर लगे विज्ञापन वाले कटआउट को निकालने की कार्यवाही की गई।

डिवाइडरों एवं रोड साइडों के सौंदर्यीकरण अभियान जारी



ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के पार्क विभाग द्वारा शहर के डिवाइडरों एवं सड़क किनारे के क्षेत्रों की साफ-सफाई, व्यवस्थित रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी पार्क मुकेष बंसल ने जानकारी देने हुये बताया कि निगमायुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देषन में पार्क विभाग द्वारा निरंतर डिवाइडरों की साफ सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत आज विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित स्थलों पर उद्यान विभाग की टीम के माध्यम से कार्य कराया गया। इसके तहत उद्यान निरीक्षक श्री राजकुमार सिंह राजावत के नेतृत्व में सागर ताल चौराहे से ए.बी. रोड की ओर, उद्यान पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुशवाहा द्वारा उधम सिंह चौराहे से सनसिटी रोड डिवाइडर तक, सुभाष शाक्य द्वारा माधव डिस्पेंसरी रोड डिवाइडर पर, राजकुमार नागर द्वारा तानसेन होटल से राजमाता गोलंबर तक तथा श्री रवि पाराशर द्वारा कस्तूरबा गोलंबर पर कार्य कराया गया।

लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश

जोन 12 में अपर आयुक्त की विजिट: ढिलाई बरतने वाले कर्मचारियों में मचा हड़कंप

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 12 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था को देखा तथा कर्मचारियों की उपस्थिति चेक कर देरी से आने वाले एवं लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए। अपर आयुक्त श्री राव ने नया बाजार चौराहे पर वार्ड क्रमांक 45 में कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर चेक किया। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों के देर से आने पर संबंधित डब्ल्यूएचओ एवं जेडएचओ को समझाइश दी गई तथा संबंधित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। वहीं, कर्मचारियों के निर्धारित बीट पर नहीं मिलने पर भी नाराजगी जताते हुए उन्हें फटकार लगाई गई। निरीक्षण के दौरान हॉस्पिटल रोड पर स्थित एप्पल हॉस्पिटल के सामने मेडिकल बेस्ट एवं कचरे के कारण अत्यधिक गंदगी पाए जाने पर अपर आयुक्त श्री राव ने तत्काल बडा जुर्माना एवं चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अपर आयुक्त श्री राव द्वारा जोन क्रमांक 12 में भी हाजिरी रजिस्टर की जांच की गई। इस दौरान लाइनमैनों को समय पर फील्ड में पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। अपर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जोन क्रमांक 12 में सुबह 10 बजे तक ड्यूटी पर नहीं पहुंचने वाले कर्मचारियों की अनुपस्थिति दर्ज कर उनकी हाजिरी काटी जाए। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी पर पहुंचने, निर्धारित बीट में उपस्थित रहने तथा शहर में स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पार्षद अंकित कटठल, कार्यपालन यंत्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी जगदीश चित्तौडिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।नगर निगम के अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने जोन 12 का औचक (सरप्राइज) निरीक्षण किया। अचानक पहुंचे अपर आयुक्त को देखकर स्थानीय कार्यालय और फील्ड में तैनात कर्मचारियों तथा अधिकारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त ने जोन कार्यालय में कामकाज की फाइलों, उपस्थिति रजिस्टरों और नागरिकों से जुड़ी शिकायतों के निराकरण की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और साफ-सफाई व्यवस्था का भी जमीनी मुआयना किया। कार्य में ढिलाई और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को सख्त चेतावनी देते हुए उन्होंने हिदायत दी कि समय पर काम पूरा न करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ग्वालियर में एसएमएस युक्त कम्बाइन हार्वेस्टर का उपयोग अनिवार्य किया



■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर जिले में धान की पराली जलाने की घटनाओं को रोकने एवं पराली व नरवाई प्रबंधन के उद्देश्य से अहम निर्णय लिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा धान कटाई में उपयोग में लाए जाने वाले कम्बाइन हार्वेस्टर में एसएमएस का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस आशय की जानकारी सहायक कृषि यंत्री कर्मशाला द्वारा दी गई है। सरकार द्वारा एसएमएस खरीदी पर 59 हजार 700 रुपए का अनुदान दिया जाता है। सहायक कृषि यंत्री कर्मशाला से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएमएस कम्बाइन हार्वेस्टर से फसल कटाई के साथ-साथ फसल के बचे हुए अवशेषों अर्थात पराली इत्यादि को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर बिखेर देता है। इससे पराली का प्रबंधन हो जाता है। साथ ही खेतों की उर्वरता भी बढ़ जाती है।

राज्य सरकार द्वारा कृषकों को अनुदान पर एसएमएस उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्वालियर जिले के ऐसे कृषक जिनके पास कम्बाइन हार्वेस्टर है, वे अनुदान पर एसएमएस प्राप्त करने के लिये 29 अक्टूबर तक ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ कम्बाइन हार्वेस्टर की आरसी, खेती की बी-1 एवं सहायक कृषि यंत्री ग्वालियर के नाम 3500 रुपए का डिमांड ड्राफ्ट संलग्न करना होगा।

निलंबित खाद्य लाइसेंस वाले प्रतिष्ठानों का कारोबार बंद कराने की कार्रवाई, एक दिन में 2.10 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों में न्यायालय द्वारा लगाए गए जुर्माने की वसूली के लिए ग्वालियर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया के आदेशानुसार तहसीलदार श्री मुन्नालाल गौड़ के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर जुर्माना वसूला। कार्रवाई के दौरान बकाया जुर्माना जमा नहीं करने पर पलक गृह उद्योग का खाद्य कारोबार बंद कराकर प्रतिष्ठान को सील कर दिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम में श्री लोकेन्द्र सिंह, श्री गिरीश राजौरिया, श्री राजेश कुमार गुप्ता, श्री आनंद प्रकाश शर्मा, श्री गोविन्द नारायण सरगैंया, श्रीमती निरूपमा शर्मा, श्री सतीश धाकड़ और श्री सतीश कुमार शर्मा शामिल रहे। टीम ने न्यायालय के आदेशों के तहत जुर्माना जमा नहीं करने वाले तथा जिनके खाद्य लाइसेंस या पंजीयन निलंबित हैं, ऐसे प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई की। पलक गृह उद्योग सील, अन्य प्रतिष्ठानों को निर्देश कार्रवाई के दौरान पलक गृह उद्योग पर एक लाख रुपये का जुर्माना अधिरोपित था। फर्म ने इसमें से 30 हजार रुपये जमा किए थे, जबकि शेष 70 हजार रुपये जमा नहीं किए गए थे। बकाया राशि जमा नहीं करने पर संयुक्त टीम ने मौके पर खाद्य कारोबार बंद कराते हुए प्रतिष्ठान को सील कर दिया। डीडी नगर स्थित सुरेन्द्र पाल डेयरी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना बकाया था। टीम जब वसूली के लिए पहुंची तो डेयरी बंद मिली। इस पर दुकान पर नोटिस चस्पा कर 26 अक्टूबर 2026 तक जुर्माना राशि जमा करने के निर्देश दिए गए। सिंहपुर रोड, मुरार स्थित जय दुर्गा डेयरी पर दो लाख रुपये का जुर्माना अधिरोपित था। कार्रवाई के दौरान डेयरी संचालक ने एक लाख रुपये ऑनलाइन जमा कर उसकी रसीद प्रस्तुत की। शेष राशि अगले सात दिनों में जमा कराने की बात कही गई। इसी प्रकार डीडी नगर स्थित जय मां दुर्गा डेयरी के मामले में जुर्माना राशि जमा कराने के लिए टीम पहुंची।

जैन मिलन युगल नेमिनाथ ने दिनेश जैन को TAC सदस्य बनाए जाने पर किया सम्मान

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



जैन मिलन युगल नेमिनाथ ग्रेटर ग्वालियर द्वारा परम श्रद्धेय श्रीमंत महाराज श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्रीय संचार मंत्री भारत सरकार के आशीर्वाद से श्री दिनेश जैन को दूरसंचार मंत्रालय की दूरसंचार सलाहकार समिति सदस्य बनाए जाने पर विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह सम्मान समारोह टोपी बाजार में किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि सम्मान समारोह शाखा के संस्थापक एवं भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक-2 के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रवि जैन, टोपी बाजार संगठन के अध्यक्ष संदीप वैश्य, संगठन मंत्री ऋषि कपूर, पारस जैन, अमित जैन, गौरव जैन, विकास जैन, बृजेश दुबे, प्रवक्ता सचिन जैन, नीलेश मिश्रा एवं केतन जैन ने दिनेश जैन का पुष्पमाला एवं सम्मान के साथ स्वागत-अभिनंदन किया गया। उपस्थित गणमान्यजनों ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर दिनेश जैन ने कहा कि यह महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किए जाने पर केंद्रीय संचार मंत्री श्रीमंत महाराज श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि ग्वालियर के लिए गौरव का विषय है तथा इससे जनहित से जुड़े दूरसंचार संबंधी विषयों को उचित मंच पर रखने का अवसर मिलेगा। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि जैन मिलन युगल नेमिनाथ ग्रेटर ग्वालियर की ओर से शाखा संस्थापक एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रवि जैन, शाखा निवर्तमान अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय ग्रीटिंग सह-संयोजक ऋषभ जैन, शाखा अध्यक्ष कुनाल जैन, शाखा कोषाध्यक्ष अंकुर जैन, रितिक जैन एवं मोक्ष जैन सहित शाखा के अन्य सदस्यों ने सहभागिता की।

मेडीकल वेस्ट सड़क पर फैकने पर एप्पल हॉस्पीटल पर लगाया 15000 का जुर्माना

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में सड़को पर गोबर बहाने एवं कचरा फेंकने वालों के खिलाफ निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज गुरुवार को अवैध रूप से पशु डेयरी संचालित करने एवं नाली में गोबर बहाने वालो पर 11 हजार तथा खुले में कचरा फेंकने वालो पर 3 हजार रू. का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही हॉस्पीटल रोड स्थित एप्पल हॉस्पीटल द्वारा सड़क पर मेडीकल वेस्ट फैलाने पर 15000 रू. का जुर्माना वसूला। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुये बताया कि नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देषन में शहर में सड़को पर गोबर बहाने एवं कचरा फेंकने वालों के खिलाफ निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर विधानसभा श्री अजय ठाकुर के निर्देशन में क्षेत्र क्रमांक 5 वार्ड क्रमांक 12 एवं 16 में लाइन नंबर 02 बिरला नगर में अवैध रूप से संचालित भैंस डेयरियों से 11 हजार रू. जुर्माना वसूल किया गया जिसमें श्री नारांची भदौरिया पर 1000, श्री अंकुर पाल पर 5000, श्री ओम शर्मा पर 5000 का जुर्माना लगाया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री शरण कुमार, डब्ल्यूएचओ 05 श्री रवि करोसिया, सहा श्री पवन डागौर उपस्थित रहें। इसके साथ ही दक्षिण विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत स्वास्थ्य अधिकारी श्री किषोर चौहान के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ब्लैक स्पॉट हारकोटाशीर गिरवाई में खुले में कचरा फेंकने पर संबंधित पर 3000 रू. का जुर्माना लगाया गया।

पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये कलेक्टर ने हार्वेस्टर संचालकों के साथ की बैठक

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



जिले में धान की पराली जलाने की घटनाओं को रोकने एवं पराली व नरवाई प्रबंधन के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शुक्रवार को जिले के हार्वेस्टर संचालक, डीलर एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिये आयोजित बैठक में जिले के हार्वेस्टर संचालकों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र में किसानों को पराली न जलाने की समझाइश दें। इसके साथ ही यह भी बताएं कि पराली जलाना न केवल पर्यावरण के लिये बल्कि खेतों की उर्वरता के लिये भी हानिकारक है। नरवाई जलाने वाले किसानों के विरूद्ध शासन के प्रावधान अनुरूप कार्रवाई भी की जायेगी। उन्होंने कहा है कि जिले के किसानों की पराली उद्योग एवं धंधों में उपयोग हो, इसके लिये भी सार्थक प्रयास किए जायेंगे। कृषि विभाग के माध्यम से ग्वालियर एवं चंबल संभाग में ऐसे उद्योग संचालक जिन्हें पराली की आवश्यकता होती है उनसे समन्वय कर किसानों के खेतों की पराली उपलब्ध कराने की कार्रवाई भी की जायेगी। इससे किसानों को आर्थिक लाभ भी होगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कृषि विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे अपने मैदानी अमले को सचेत करें कि वे क्षेत्र में भ्रमण कर किसानों को पराली न जलाने की समझाइश दें। उप संचालक कृषि ने बैठक में बताया कि धान कटाई में उपयोग में लाए जाने वाले कम्पोजिट हार्वेस्टिंग में एसएमएस (स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम) का उपयोग अनिवार्य किया गया है।

भविष्य में यहां दोबारा कचरा न जमा हो, इसके लिए निगरानी भी सुनिश्चित की जा रही

ब्लैक स्पॉट्स पर निगम की सख्ती, शहर के 06 कचरा प्वाइंट किए गए समाप्त

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लंबे समय से कचरा जमा होने वाले ब्लैक स्पॉट्स को समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार लंबे समय से कचरा जमा होने वाले ब्लैक स्पॉट्स साफ कराये जा रहे है जिसमें आज 6 ब्लैक स्पॉट्स साफ कराये गये। अब शकर में 75 स्थानों पर ब्लैक स्पॉट्स है जिन्हें भी जल्द साफ किया जावेगा। मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाकर कचरा स्थलों को समाप्त किया जा रहा है। जिसमें नियमित सफाई व्यवस्था के बावजूद कुछ स्थानों पर बार-बार कचरा डाले जाने के कारण ब्लैक स्पॉट बन जाते हैं। ऐसे स्थानों को चिन्हित कर विशेष सफाई कराई जा रही है तथा भविष्य में यहां दोबारा कचरा न जमा हो, इसके लिए निगरानी भी सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के अंतर्गत आज गुरुवार को ग्वालियर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत महारानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल के पास कचरा प्वाइंट समाप्त किए गए।



इसी प्रकार ग्वालियर पूर्व विधानसभा में दीनदयाल नगर साइड 5, आदित्यपुरम साइड 3, विवेक विहार कॉलोनी, वार्ड 58 एवं 29 में सफाई कर कचरा स्थल समाप्त किए गए। नगर निगम द्वारा संबंधित जोनल हेल्थ ऑफिसर एवं वार्ड हेल्थ ऑफिसर को निर्देशित किया गया है कि इन स्थानों पर नियमित निगरानी रखते हुए दोबारा कचरा जमा न होने दें। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध स्पॉट फाइन की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि शहर की स्वच्छता एवं सुंदरता बनाए रखने में सहयोग करें और निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालें।शहर को पूरी तरह कचरा मुक्त बनाने के अभियान के तहत इंदौर नगर निगम ने सख्ती दिखाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में चिन्हित किए गए 06 प्रमुख ब्लैक स्पॉट्स (कचरा प्वाइंट) को पूरी तरह समाप्त कर दिया है।

संपादकीय

रावण दहन की परंपरा बचा ली, संदेश भुला दिया

दशहरा केवल रावण दहन का पर्व नहीं बल्कि बुराई पर अच्छाई की विजय, अहंकार पर विवेक की जीत और अनैतिकता पर सदाचार की स्थापना का प्रतीक है। हर वर्ष विजयादशमी पर रावण के विशाल पुतले जलाए जाते हैं। आतिशबाजी होती है, उत्सव मनाए जाते हैं और लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देते हैं। कुछ क्षणों के लिए वातावरण विजय के उल्लास से भर जाता है लेकिन उत्सव समाप्त होते ही एक प्रश्न फिर सामने खड़ा हो जाता है- क्या सचमुच रावण मर गया? यदि रावण का अंत हो चुका है तो समाज में अन्याय, अपराध, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न और नैतिक पतन की घटनाएँ क्यों बढ़ती दिखाई देती हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने रावण के पुतले जलाने की परंपरा तो बचा ली लेकिन उसके अंतर्निहित संदेश को भुला दिया?

आज दशहरा कई स्थानों पर धार्मिक आस्था के साथ-साथ मनोरंजन और प्रदर्शन का माध्यम भी बन गया है। विशाल पुतले, आकर्षक रोशनी, आतिशबाजी और भीड़ उत्सव की भव्यता बढ़ाते हैं। लोग तस्वीरें खिंचवाते हैं, वीडियो बनाते हैं और सोशल मीडिया पर उत्सव की झलकियाँ साझा करते हैं। यह सब उत्सव का हिस्सा हो सकता है लेकिन जब आत्ममंथन की जगह केवल प्रदर्शन ले लेता है, तब पर्व का मूल उद्देश्य पीछे छूटने लगता है। रावण दहन का वास्तविक अर्थ किसी पुतले को आग के हवाले करना नहीं बल्कि उन बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लेना है, जिनके कारण व्यक्ति, परिवार और समाज का पतन होता है।

रामायण का रावण असाधारण विद्वत्ता, शक्ति और सामर्थ्य का स्वामी था। वह शिवभक्त था, शास्त्रों का ज्ञाता था और एक शक्तिशाली शासक भी था। फिर भी उसका ज्ञान उसे मयार्दा का पालन करना नहीं सिखा सका। अहंकार, सत्ता का मद और पराई स्त्री के प्रति अनुचित आसक्ति उसके पतन के प्रमुख कारण बने। रावण का चरित्र हमें बताता है कि केवल ज्ञानवान होना पर्याप्त नहीं है; ज्ञान के साथ विवेक, शक्ति के साथ जिम्मेदारी और अधिकार के साथ मयार्दा भी आवश्यक है। जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं को नैतिकता से ऊपर रख देता है, तब उसकी उपलब्धियाँ भी उसे विनाश से नहीं बचा सकतीं। आज के रावण किसी एक चेहरे या एक स्थान तक सीमित नहीं हैं। वे कभी सत्ता के अहंकार में दिखाई देते हैं, कभी आर्थिक शोषण में, कभी रिश्तों के भीतर छिपी हिंसा में और कभी कानून की कमजोरियों का लाभ उठाने वाली मानसिकता में। दहेज के लिए प्रताड़ित की जाती महिलाएँ, घरेलू हिंसा का सामना करती बेटियाँ, यौन अपराधों के शिकार बच्चे और भ्रष्टाचार के कारण अपने अधिकारों से वंचित नागरिक हमारे सामने एक असहज सच्चाई रखते हैं। इन परिस्थितियों में रावण केवल पौराणिक पात्र नहीं रह जाता, बल्कि वह उस सोच का प्रतीक बन जाता है जो अपने स्वार्थ के लिए दूसरे मनुष्य की गरिमा, स्वतंत्रता और अधिकारों को कुचल देती है।

विडंबना यह है कि हम बुराई के प्रतीक को जलाने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र होते हैं, लेकिन अपने आसपास मौजूद बुराइयों के विरुद्ध आवाज उठाने में कई बार संकोच करते हैं। किसी महिला के साथ अन्याय हो तो लोग तमाशबीन बने रहते हैं। भ्रष्टाचार दिखाई दे तो सुविधा के लिए चुप्पी साध ली जाती है। किसी कमजोर व्यक्ति का शोषण हो तो प्रभावशाली लोगों के सामने सच बोलने से बचा जाता है। जब अन्याय के सामने हमारी चुप्पी अपराधी का साहस बढ़ाती है, तब केवल रावण के पुतले जलाने से समाज में रामराज्य की कल्पना साकार नहीं हो सकती।

समस्या यह भी है कि हम बुराई को अक्सर दूसरों में खोजते हैं, अपने भीतर नहीं। हमें दूसरे का अहंकार दिखाई देता है लेकिन अपना अहंकार स्वाभिमान लगता है। दूसरों का झूठ खटकता है लेकिन अपने हित में बोला गया झूठ व्यावहारिकता कहलाता है। दूसरे की सफलता से ईर्ष्या होती है लेकिन अपनी महत्वाकांक्षा को उचित ठहराने के लिए हम अनेक तर्क गढ़ लेते हैं। यही दोहरा आचरण सामाजिक और नैतिक पतन की जड़ है। जब तक आत्मनिरीक्षण की शुरूआत स्वयं से नहीं होगी, तब तक सुधार की बातें केवल भाषणों और नारों तक सीमित रहेंगी।

रावण के दस सिरों को परंपरागत रूप से अनेक बुराइयों और नकारात्मक प्रवृत्तियों के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है।

लद्दाख की पुकार संघवाद की परीक्षा

डॉ. सत्यवान सौरभ

संवैधानिक दृष्टि से भी सावधानी आवश्यक है। छठी अनुसूची वर्तमान में लद्दाख पर लागू नहीं होती इसलिए इसे लागू करने के लिए उपयुक्त संवैधानिक प्रक्रिया और स्पष्ट कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता होगी। अनुच्छेद 371 के अंतर्गत किसी विशेष प्रावधान की मांग पर भी संवैधानिक व्यवहार्यता, आवश्यक संशोधनों और संबंधित प्रावधानों की प्रकृति के आधार पर विचार करना होगा।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संघवाद का अर्थ केवल केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन नहीं बल्कि विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं, सांस्कृतिक पहचान और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का सम्मान करना भी है। देश के सभी क्षेत्रों पर एक समान प्रशासनिक व्यवस्था लागू करने के बजाय उनकी ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप अलग-अलग स्तर की स्वायत्तता प्रदान करना असममित संघवाद कहलाता है। भारतीय संविधान में इसकी अभिव्यक्ति पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों के लिए विशेष प्रावधानों, छठी अनुसूची तथा विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाई गई व्यवस्थाओं में दिखाई देती है। लद्दाख की स्वायत्तता और संवैधानिक संरक्षण की मांग इसी व्यापक संवैधानिक दृष्टिकोण की प्रासंगिकता को रेखांकित करती है।

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। इससे क्षेत्र का प्रशासनिक स्वरूप तो बदला लेकिन इसके साथ ही स्थानीय लोगों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, भूमि अधिकारों, सरकारी नौकरियों, सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़े प्रश्न भी अधिक मुखर हुए। वर्तमान व्यवस्था में लद्दाख के पास अपनी निर्वाचित विधानसभा नहीं है। प्रशासन का संचालन उपराज्यपाल के माध्यम से होता है, जबकि लेह और कारगिल की पर्वतीय विकास परिषदें स्थानीय शासन में भूमिका निभाती हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या प्रशासनिक पुनर्गठन के साथ स्थानीय जनता की लोकतांत्रिक भागीदारी और निर्णय लेने की क्षमता भी पर्याप्त रूप से मजबूत हुई है?

लद्दाख की मांगों को समझने के लिए उसके भूगोल और समाज की विशिष्टताओं पर ध्यान देना आवश्यक है। विशाल पर्वतीय क्षेत्र, सीमित कृषि योग्य भूमि, जलवायु परिवर्तन की तीव्र चुनौतियां, नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी और विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराएं इसे देश के अन्य क्षेत्रों से अलग बनाती हैं। यहां की आबादी का बड़ा हिस्सा जनजातीय समुदायों से संबंधित है। भोटी और पुरगी जैसी भाषाएं, पारंपरिक सामुदायिक संस्थाएं, धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत तथा स्थानीय जीवनशैली इस क्षेत्र की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यदि विकास की नीतियां स्थानीय परिस्थितियों और समुदायों की भागीदारी को पर्याप्त महत्व दिए बिना बनाई जाती हैं तो आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक संरक्षण के बीच असंतुलन पैदा हो सकता है।

यहीं असममित संघवाद की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए हर क्षेत्र को एक जैसी संवैधानिक या प्रशासनिक व्यवस्था में बांधना अनिवार्य नहीं है। आवश्यकतानुसार अलग-अलग क्षेत्रों को विशिष्ट अधिकार और संस्थागत संरक्षण देकर लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाया जा सकता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 371अ नागालैंड की धार्मिक-सामाजिक परंपराओं, प्रथागत कानूनों और भूमि-संसाधनों से जुड़े कुछ विशेष संरक्षणों का उदाहरण है। इसी प्रकार छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के निर्दिष्ट जनजातीय क्षेत्रों में स्वायत्त जिला एवं क्षेत्रीय परिषदों की व्यवस्था करती है। हालांकि इन प्रावधानों की अपनी अलग संवैधानिक सीमाएं हैं, फिर भी वे बताते हैं कि भारत का संघवाद स्थानीय विविधताओं को स्वीकार करने की क्षमता रखता है।

लद्दाख के संदर्भ में छठी अनुसूची के अंतर्गत संरक्षण की मांग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे स्थानीय समुदायों को भूमि, संस्कृति और परंपरागत संस्थाओं से जुड़े विषयों पर अधिक प्रभावी भूमिका मिल सकती है। जनजातीय स्वायत्तता का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करना नहीं बल्कि समुदायों को अपने सामाजिक और आर्थिक भविष्य से संबंधित निर्णयों में भागीदार बनाना भी है।

स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप संस्थागत अधिकार मिलने से बाहरी दबावों के बीच पारंपरिक आजीविकाओं और सामुदायिक संसाधनों की रक्षा करने में सहायता मिल सकती है। भूमि और रोजगार की सुरक्षा भी इस मांग का महत्वपूर्ण आधार है। लद्दाख में भूमि केवल आर्थिक संपत्ति नहीं, बल्कि आजीविका, सांस्कृतिक निरंतरता और सामुदायिक अस्तित्व से जुड़ा विषय है। पर्यटन, आधारभूत संरचना, ऊर्जा परियोजनाओं और अन्य विकास गतिविधियों के विस्तार के बीच स्थानीय निवासियों की आशंकाओं को दूर करना आवश्यक है। संवैधानिक सुरक्षा और स्पष्ट कानूनी व्यवस्था स्थानीय भूमि अधिकारों की रक्षा कर सकती है तथा सरकारी रोजगार में स्थानीय युवाओं के अवसरों को मजबूत कर सकती है। इससे विकास के लाभों का अधिक न्यायसंगत वितरण संभव होगा।

लद्दाख की पारिस्थितिकी के संदर्भ में भी स्थानीय स्वायत्तता का विशेष महत्व है। हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों का पिघलना, जल संकट, अनियमित वर्षा और पर्यावरणीय दबाव पहले से गंभीर चुनौतियां हैं। अनियंत्रित पर्यटन और अव्यवस्थित निर्माण इन समस्याओं को और बढ़ा सकते हैं। स्थानीय समुदायों को योजना निर्माण, जल प्रबंधन, चरागाहों के संरक्षण और पर्यावरणीय प्रभावों के आकलन में वास्तविक अधिकार दिए जाएं तो विकास की नीतियां अधिक टिकाऊ बन सकती हैं। इस दृष्टि से स्वायत्तता केवल राजनीतिक मांग नहीं बल्कि पर्यावरणीय न्याय और भावी पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़ा प्रश्न भी है।

हालांकि लद्दाख को अधिक स्वायत्तता प्रदान करने की राह चुनौतियों से मुक्त नहीं है। यह क्षेत्र चीन और पाकिस्तान से लगी संवेदनशील सीमाओं के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्षा संबंधी आवश्यकताओं, सीमावर्ती आधारभूत संरचना और रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए किसी भी व्यवस्था का निर्माण करना होगा। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों को परस्पर विरोधी मानना उचित नहीं है। स्थानीय आबादी का विश्वास, सहयोग और भागीदारी सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिरता को मजबूत कर सकते हैं।

भारत की विमानन क्रांति का पहला दशक और 'आत्मनिर्भर' भविष्य का रोडमैप

ओ.पी. पाल

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस-उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे पर्वतीय राज्यों में हवाई संपर्क का नया अध्याय शुरू हुआ। इसके विस्तार एवं नवाचार में साल 2018ङ्क2021 में इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों, दूरदराज के द्वीपों, वाटर एयरोड्रोम (सी-प्लेन) और हेलीकॉप्टर सेवाओं को शामिल कर उड़ान 2.0, 3.0 और 4.0 का दायरा बढ़ाया गया। यदि आंकड़ों पर गौर किया जाए तो साल 2014 तक पूरे देश में केवल 74 चालू हवाई अड्डे थे।



भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण भौगोलिक विस्तार वाले देश में बुनियादी ढाँचे का संतुलित विकास हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। एक समय था जब हवाई यात्रा को केवल संपन्न वर्ग की विलासिता माना जाता था और देश का उड्डयन नेटवर्क मेट्रो शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद तक सीमित था। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के तथा दूरदराज के सीमावर्ती व पहाड़ी इलाके देश के आर्थिक मानचित्र से एक तरह से कटे हुए थे। इस असंतुलन को समाप्त करने और 'हवाई चप्पल पहनने वाले आम नागरिक को हवाई यात्रा कराने' के संकल्प के साथ देश में 21 अक्टूबर 2016 को 'क्षेत्रीय संपर्क योजना' (उड़े देश का आम नागरिक) की नींव रखी गई। इस उड़ान योजना ने साबित कर दिया कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता। इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को बदल दिया है बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनाने में मजबूत भूमिका निभाई है।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस-उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे पर्वतीय राज्यों में हवाई संपर्क का नया अध्याय शुरू हुआ। इसके विस्तार एवं नवाचार में साल 2018ङ्क2021 में इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों, दूरदराज के द्वीपों, वाटर एयरोड्रोम (सी-प्लेन) और हेलीकॉप्टर सेवाओं को शामिल कर उड़ान 2.0, 3.0 और 4.0 का दायरा बढ़ाया गया। यदि आंकड़ों पर गौर किया जाए तो साल 2014 तक पूरे देश में केवल 74 चालू हवाई अड्डे थे। लेकिन 'उड़ान' योजना के लागू होने के बाद अगले दस वर्षों में यह संख्या दोगुने से भी अधिक होकर 166 तक पहुँच गई है।

इन 10 वर्षों की प्रमुख सांख्यिकीय उपलब्धियों के तहत देश के कोने-कोने में कुल 687 क्षेत्रीय मार्गों पर विमान परिचालन शुरू हुआ और कुल 95 नए एयरोड्रोम शुरू किए गए, जिनमें 17 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम शामिल हैं। उड़ानों और यात्रियों की संख्या की दृष्टि से अब तक इस योजना के तहत 3.68 लाख से अधिक उड़ानें संचालित होने का दावा किया गया है।

इन चार राज्यों में मिली हवाई अड्डों की सौगात

देश के अलग-अलग भागों में इसके चार प्रत्यक्ष उदाहरण देखे जाएं तो इसमें पूर्णिया (बिहार) यानी कोसी-सीमांचल का आर्थिक सूर्योदय 2025 से पूर्व पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार जैसे जिलों के निवासियों को हवाई यात्रा के लिए 200 किलोमीटर दूर बागडोगरा जाना पड़ता था। पटना और कोलकाता जाने में 8 से 10 घंटे लगते थे। 2025 में चालू हुआ 2.8 किलोमीटर लंबा रनवे वाला पूर्णिया हवाई अड्डा (जो बिहार का सबसे लंबा रनवे है) अब ए320 और बी737 जैसे बड़े बोइंग विमानों को संभालने में सक्षम है।

इसी प्रकार तेजू (अरुणाचल प्रदेश) में हवाई अड्डा 2021 में शुरू हुआ। इससे पूर्व गुवाहाटी पहुँचने में स्थानीय लोगों को 10 से 12 घंटे का कठिन सड़क सफर तय करना पड़ता था। अब यह सफर घटकर सिर्फ 1 घंटा रह गया है। जबकि देवघर (झारखंड) में जुलाई 2022 में हवाई अड्डे के उद्घाटन से पहले बाबा बैद्यनाथधाम आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को रांची या पटना उतरकर 150-200 किमी दूर की कठिन यात्रा करनी पड़ती थी। अब दिल्ली से देवघर का सफर 15 घंटे से घटकर मात्र 2 घंटे का रह गया है। इसके अलावा साल 2017 में किशनगढ़ (राजस्थान) एयरपोर्ट की शुरूआत ने विश्वप्रसिद्ध किशनगढ़-अजमेर मार्बल मंडी की दिशा ही बदल दी। सीधी एयर कार्गो सेवा मिलने से इटली, यूएई और अमेरिका को मार्बल निर्यात आसान हो गया है।

'संशोधित उड़ान' का शुभारंभ

इसी साल 4 जुलाई 2026 को केंद्र सरकार ने अगले 10 वर्षों (वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36) के लिए 28,840 करोड़ रुपये के बजट के साथ योजना के अगले और अधिक आधुनिक चरण की घोषणा की गई। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 25 मार्च 2026 को इस संशोधित क्षेत्रीय संपर्क योजना को मंजूरी दी थी। इस नए चरण में मौजूदा हवाई पट्टियों से 100 हवाई अड्डे विकसित करने, 200 आधुनिक हेलीपैड बनाने, क्षेत्रीय हवाई अड्डों के संचालन को आर्थिक सहायता देने और विमानन कंपनियों को प्रोत्साहित करने की योजना है। केवल हवाई पट्टियाँ बनाना नहीं बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत ऐसा घरेलू विमानन पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है, जो 'मेड इन इंडिया' विमानों और अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे पर आधारित होगी। एयरलाइनों को कम किराए पर विमान चलाने में मदद हेतु 15 अक्टूबर 2026 तक 5,091.23 करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की जा चुकी है। इस नए चरण में 120 नए गंतव्यों तक हवाई संपर्क बढ़ाने और अगले दस वर्षों में चार करोड़ यात्रियों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया गया है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, विमानन कंपनियों को सहायता, राज्यों के साथ समन्वय और स्वदेशी विमानों की उपलब्धता पर जोर दिया जा रहा है।

चुनौतियाँ और आगे की राह

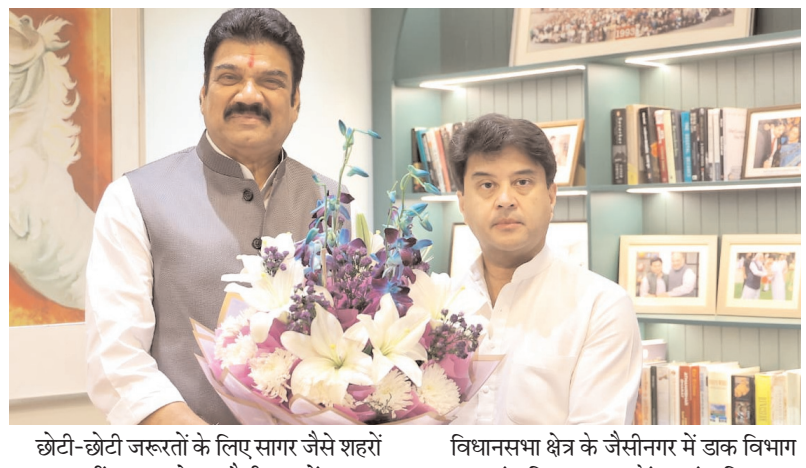
एक दशक की शानदार उपलब्धियों के बावजूद क्षेत्रीय विमानन के समक्ष कुछ संरचनात्मक चुनौतियाँ अब भी मौजूद हैं। यानी छोटे क्षेत्रीय एयर ऑपरेटर्स (जैसे एयर डेक्कन, जूम एयर) ईंधन की बढ़ती कीमतों और रखरखाव लागत के कारण लंबे समय तक टिक नहीं पाए। वहीं, पूर्वोत्तर और पहाड़ी इलाकों में खराब मौसम और कोहरे के कारण उड़ानों के रद्द होने की दर अधिक रहती है। इसी प्रकार छोटे हवाई अड्डों पर एटीसी, नाइट लैंडिंग और रिफ्यूलिंग की स्थायी सुविधाओं का रखरखाव महंगा साबित हो रहा है। हालांकि सरकार ने 'संशोधित उड़ान' के जरिए इन कमियों को दूर करने का एक व्यावहारिक ढांचा तैयार किया है। 3 से 8 वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव में सब्सिडी देना, एचएएल द्वारा निर्मित स्वदेशी डॉर्नियर और ध्रुव हेलीकॉप्टरों को बेड़े में शामिल करना तथा निजी क्षेत्र के साथ जोखिम साझा करना इस बात का प्रमाण है कि भारत क्षेत्रीय उड्डयन को केवल आर्थिक लाभ-हानि से परे 'राष्ट्र-निर्माण' के उपकरण के रूप में देखता है। वहीं, हेलीपैड का विकास विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए उपयोगी हो सकता है, जहां पहाड़, जंगल, द्वीप या कठिन भौगोलिक परिस्थितियां बड़े हवाई अड्डों के निर्माण को मुश्किल बनाती हैं। ऐसी जगहों पर हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा, प्रशासनिक गतिविधियों, पर्यटन और जरूरी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण साधन बन सकते हैं।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात

सुरखी विधानसभा के बिलहरा, राहतगढ़, सुरखी और सीहोरा में आधार केंद्र खुलवाने का किया आग्रह

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

सुरखी विधानसभा क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा सुरखी विधायक गोविंद सिंह राजपूत लगातार प्रयासरत हैं। इसी क्रम में मंत्री श्री राजपूत ने केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया से मुलाकात कर सुरखी विधानसभा क्षेत्र के बिलहरा, राहतगढ़, सुरखी और सीहोरा में डाक विभाग के माध्यम से आधार केंद्र प्रारंभ कराने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने सागर जिले में नवनिर्मित क्षेत्रीय ट्रांसपोर्ट हब के लोकार्पण के लिए केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया को आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का अनुरोध किया। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया को अवगत कराया कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के अनेक ग्रामीणों को आधार कार्ड बनवाने, उसमें संशोधन कराने और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे लोगों का समय और धन दोनों खर्च होते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बुजुर्गों, महिलाओं, विद्यार्थियों और जरूरतमंद परिवारों को आधार संबंधी कार्यों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि बिलहरा, राहतगढ़, सुरखी और सीहोरा में आधार केंद्र प्रारंभ हो जाते हैं, तो आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही आधार संबंधी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी और उन्हें



छोटी-छोटी जरूरतों के लिए सागर जैसे शहरों तक नहीं जाना पड़ेगा। जैसीनगर में आधार केंद्र की शुरुआत, अन्य क्षेत्रों में भी प्रयास : मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में डाक विभाग द्वारा संचालित आधार केंद्र प्रारंभ किया जा चुका है। इससे जैसीनगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आधार संबंधी कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर सुविधा मिल रही है। अब इसी सुविधा का विस्तार विधानसभा क्षेत्र के अन्य प्रमुख स्थानों पर करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। आधार केंद्रों की स्थापना से ग्रामीणों को राहत मिलने के साथ ही सरकारी योजनाओं और विभिन्न सेवाओं से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने में भी सुविधा होगी। मंत्री श्री राजपूत ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से आग्रह किया कि बिलहरा, राहतगढ़, सुरखी और सीहोरा में आधार केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। सागर में नवनिर्मित क्षेत्रीय ट्रांसपोर्ट हब के लोकार्पण का आमंत्रण : मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को सागर जिले में निर्मित क्षेत्रीय ट्रांसपोर्ट हब के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। सागर जिले में क्षेत्रीय ट्रांसपोर्ट हब का नवीन भवन निर्मित कराया गया है, जिसका लोकार्पण प्रस्तावित है। मंत्री श्री राजपूत ने केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया से आग्रह किया है कि वे इस महत्वपूर्ण परियोजना के लोकार्पण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सागर पधारकर अपने कर-कमलों से इसका शुभारंभ करें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति क्षेत्र की जनता, डाक विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणादायक और गौरवपूर्ण होगी।

रोड स्वीपिंग मशीनों से अपने सामने कराई सड़कों की धूल साफ

निगम आयुक्त ने निगम अधिकारियों को दिखाई स्वच्छता की जमीनी हकीकत

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**





प्रेमपुरा घाट व भदभदा गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का भी किया निरीक्षण, प्रतिमाओं के अवशेष व्यवस्थित ढंग से निकालने व अपशिष्ट के प्रत्येक अवशेष को रिसाईकिल करने के दिए निर्देश निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने गुरूवार को प्रातः शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया और सड़कों के किनारे, सेंट्रल वर्ज, विद्युत पोल आदि के आसपास एकत्र धूल-मिट्टी को दिखाकर निगम अधिकारियों को स्वच्छता की जमीनी हकीकत से रूबरू कराया और रोड स्वीपिंग मशीन एवं ई.व्ही. रोड स्वीपर बुलाकर अपने समक्ष धूल-मिट्टी की सफाई कराई।

निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने तथा नियमित रूप से रोड स्वीपिंग मशीन के माध्यम से धूल-मिट्टी की सफाई कराने, सेंट्रल वर्ज, साईड वर्ज आदि पर पेंटिंग कराने, पेड़-पौधों की छटाई करने, सेंट्रल वर्ज, साईड वर्ज में पौधे रोपित करने बेहतर ढंग से सिंचाई कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने प्रेमपुरा विसर्जन घाट का भी निरीक्षण किया और माँ दुर्गा की प्रतिमाओं के अवशेषों को व्यवस्थित ढंग से जलाशय से निकालने, जलाशयों की सफाई कराने एवं बांस आदि का उपयोग उद्यानिकी कार्य में करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने भदभदा स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का भी निरीक्षण किया और अपशिष्ट में सम्मिलित समस्त अवयवों को रिसाईकिल करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अमन मिश्रा, उपायुक्त चंचलेश गिरहारे, मुख्य अभियंता संतोष गुप्ता, अतिक्रमण दस्ते के प्रभारी शैलेन्द्र सिंह भदौरिया सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

विद्युत भार (लोड) स्वीकृत करवायें एवं जुर्माने से बचें

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इन दनों निम्नदाब के गैर घरेलू और औद्योगिक (पॉवर) उपभोक्ताओं के परिसरों का व्यापक चैकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के दौरान उपभोक्ता परिसर में विद्युत भार (लोड) में वृद्धि के प्रकरण पकड़े जा रहे हैं। कंपनी द्वारा विद्युत भार की वृद्धि स्वेच्छा से कराने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने का अभियान इन दिनों चलाया जा रहा है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कंपनी के पोर्टल पर स्वेच्छिक ऑनलाइन आवेदन कर भार वृद्धि करा लें। कंपनी ने उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए इस संबंध में कुछ जानकारी साझा की है जैसे... बिजली कंपनी में नवीन कनेक्शन के लिए जब कोई व्यक्ति अधिकृत आवेदन देता है तो उसके परिसर में भार (लोड) की गणना कर भार निर्धारित किया जाता है। इस प्रक्रिया में नया कनेक्शन देने के लिए बिजली कर्मचारी परिसर का लोड सर्वे करते हैं। यह भार (लोड) विद्युत प्रणाली में जोड़ा जाता है इसलिए इसे संयोजित भार या कनेक्टेड लोड कहा जाता है। उपभोक्ता को बिजली कंपनी के साथ सहयोग कर भार की सही गणना कराना चाहिए ताकि विद्युत प्रणाली सुचारू रूप से संचालित की जा सके। उपभोक्ता द्वारा परिसर में कनेक्शन लेने के कुछ अन्तराल बाद कुछ नये विद्युत उपकरणों को स्थापित कर भार बढ़ा लिया जाता है। यह बढ़ा भार बिजली कंपनी के कार्यालय में यदि स्वीकृत नहीं कराया जाता है तो चैकिंग के दौरान भार वृद्धि का प्रकरण बन जाता है और उपभोक्ता को जुर्माना भरना पड़ता है। यदि उपभोक्ता के परिसर में भार वृद्धि का प्रकरण मिलता है तो ऐसे उपभोक्ताओं पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

संपर्क अभियान 2026: OYT योजना से किसान को मिला स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल/रायसेन**



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित 'संपर्क अभियान 2026' के अंतर्गत रायसेन ग्रामीण वितरण केंद्र द्वारा ग्राम बम्होरी में आयोजित संपर्क अभियान के दौरान किसान श्री संजय कुशवाह की वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्या का स्थायी समाधान किया गया। कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें ओवायटी योजना की जानकारी देकर स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग ?24 हजार की बचत होगी। संपर्क अभियान के दौरान अधिकारियों ने घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याएं सुनीं तथा विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसी दौरान किसान श्री संजय कुशवाह ने बताया कि उनके कृषि पंप की दूरी विद्युत नेटवर्क से अधिक होने के कारण उन्हें प्रत्येक वर्ष दो बार अस्थायी कृषि बिजली कनेक्शन लेना पड़ता था, जिस पर लगभग 24 हजार का अतिरिक्त व्यय होता था। कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें ओवायटी योजना के लाभों से अवगत कराया। योजना की जानकारी प्राप्त करने के बाद श्री कुशवाह ने लगभग ?1.40 लाख की लागत से ट्रांसफार्मर स्थापित कर स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन प्राप्त किया। इसके साथ ही उनकी वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो गया। अब उन्हें प्रत्येक कृषि सीजन में अस्थायी कनेक्शन लेने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 24 हजार की बचत होगी। इसके साथ ही स्थायी बिजली कनेक्शन मिलने से किसान को रबी सीजन में मटर, चना और गेहूं जैसी फसलों की सिंचाई करने में सुविधा मिलेगी, जिससे कृषि कार्य भी अधिक सुगमता एवं दक्षता से संचालित हो सकेंगे। श्री संजय कुशवाह ने संपर्क अभियान 2026 एवं स्वयं का ट्रांसफार्मर योजना की सराहना करते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थायी कृषि बिजली कनेक्शन मिलने से प्रतिवर्ष लगभग 24 हजार की होने वाली बचत का उपयोग श्री संजय कुशवाह अब अपने बच्चों की शिक्षा, कृषि कार्यों तथा परिवार की अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में कर सकेंगे।

भोपाल में रघुवंशी समाज ने पारंपरिक रूप से किया शस्त्र पूजन, विजयोत्सव-2 के तहत प्रदेशभर में आयोजन जारी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**





रघुवंशी समाज के अखिल भारतीय अखंड रघुवंशी क्षत्रिय परिषद के तत्वावधान में प्रदेश स्तरीय शस्त्र पूजन का भव्य आयोजन 'विजयोत्सव-2' भोपाल स्थित रघुवंशी समाज भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ जनों, मातृशक्ति, युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरी श्रद्धा व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ शस्त्रों की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुजारियों ने समाज के लोगों और युवा पीढ़ी को शस्त्र पूजन के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि क्षत्रिय परंपरा में शस्त्रों का पूजन केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अधर्म के नाश और धर्म व समाज की रक्षा का संकल्प है। गौरतलब है कि परिषद द्वारा आयोजित यह 'विजयोत्सव-2' कार्यक्रम मध्य प्रदेश के 17 जिलों में कुल 28 स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजन के प्रदेश प्रभारी श्री अमित रघुवंशी हैं एवं भोपाल प्रभारी श्री राघवेंद्र रघुवंशी हैं। प्रदेश स्तर पर चल रहा यह विशेष अभियान 17 अक्टूबर से शुरू होकर 23 अक्टूबर तक जारी रहेगा, जिसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में समाज को एकजुट करने और अपनी गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। भोपाल में हुए इस भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में सामाजिक बधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल समापन पर भोपाल जिले की कार्यसमिति के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र रघुवंशी, महिला अध्यक्ष श्रीमती उषा रघुवंशी एवं युवा अध्यक्ष श्री सुजीत रघुवंशी द्वारा उपस्थित सभी समाज जनों का हृदय से आभार प्रकट किया गया।

'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' अभियान के तहत व्यायाम, ओम की ध्वनि से ध्यान और नशामुक्ति संकल्प

'युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा मिले तो नशे से बचेगा भविष्य : आराधना दीदी'

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देकर उन्हें नशे जैसी बुराइयों से बचाना और स्वस्थ, संस्कारवान एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना आज समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज के विभिन्न सेवा केंद्रों पर शारीरिक व्यायाम, राजयोग मेडिटेशन और नशामुक्ति प्रतिज्ञा के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सुख-शांति भवन, नीलबड़, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में आदरणीय ब्रह्माकुमारी आराधना दीदी जी, प्रभारी सुख-शांति भवन ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देना आवश्यक है। यदि समय रहते उन्हें नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाए और जीवन में सकारात्मक आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, तो वे अपने भविष्य को सुरक्षित रखते हुए परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। अभियान के छठे सप्ताह की थीम 'पारंपरिक खेल दिवस' रखी गई है, जिसके अंतर्गत 24 से 30 अक्टूबर 2026 तक पारंपरिक खेलों के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ मनोरंजन, शारीरिक सक्रियता, आपसी सहयोग और टीम भावना के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कबड्डी, खो-खो, रस्साकशी सहित विभिन्न पारंपरिक खेल युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने और नशे से दूर रहने का संदेश देने का माध्यम बनेंगे। आयोजित कार्यक्रम में बीके डॉक्टर देवयानी बहन ने व्यायाम के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने नियमित शारीरिक गतिविधियों को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। इसके बाद बीके विनीता बहन ने विभिन्न व्यायामों एवं योगासनों का प्रदर्शन किया और उपस्थित लोगों से उनका अभ्यास भी करवाया। इस गतिविधि के माध्यम से नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने तथा शरीर को स्वस्थ और सक्रिय रखने के लिए प्रेरित किया गया। व्यायाम के पश्चात 'ओम' की ध्वनि के साथ ध्यान कराया गया। इसके माध्यम से सभी को कुछ समय शांत होकर अपने भीतर की सकारात्मकता और आध्यात्मिक चेतना का अनुभव करने का अवसर मिला। राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास ने कार्यक्रम में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया और स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मन की शांति एवं सकारात्मक चिंतन के महत्व का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में बीके भारती बहन ने उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा कराई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज में भी नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। अभियान के अंतर्गत जवाहर चौक, पंचवटी एक्सोटिक, ईदगाह सहित भोपाल के अन्य ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्रों पर भी व्यायाम, ध्यान और नशामुक्ति प्रतिज्ञा जैसी गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच, आत्मानुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक बनाना है। पारंपरिक खेलों और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ मनोरंजन के अवसर उपलब्ध कराना तथा उनमें सहयोग, अनुशासन और एकजुटता की भावना विकसित करना भी इस पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम ने संदेश दिया कि

अनाहत सिंह का बड़ा उलटफेर

आठ बार की विश्व चैंपियन नूर एल शेरबिनी को हराया

एजेन्सी, रेडवुड सिटी

भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सिलिकॉन वैली ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए आठ बार की विश्व चैंपियन मिस्र की नूर एल शेरबिनी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गुरुवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में 18 वर्षीय अनाहत ने दुनिया की तीसरे नंबर की और शीर्ष वरीयता प्राप्त शेरबिनी को सीधे गेमों में 11-8, 11-8, 11-7 से हराया। मुकाबला 30 मिनट तक चला।



क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं 18 वर्षीय अनाहत, अब सलमा हानी से होगा सामना

- विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज अनाहत के करियर की यह सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। हाल ही में एशियाई खेलों में एकल स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ी ने इस प्रदर्शन से अपनी क्षमता का एक बार फिर परिचय दिया।
- एक लाख 43 हजार 500 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अब अनाहत का सामना मिस्र की सलमा हानी से होगा। हानी विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं।
- अनाहत ने इससे पहले मिस्र की नूर अबुलमकरिम को सीधे गेमों में हराकर टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत की थी। अब शेरबिनी जैसी अनुभवी और दिग्गज खिलाड़ी को मात देकर उन्होंने खिताब की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

एशियाई पैरा खेल

भाविना और शुभम वाधवा ने जीता कांस्य पदक

एजेन्सी, आइची-नागोया



- भारत की भाविना पटेल और शुभम वाधवा ने एशियाई पैरा खेलों की पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में मिश्रित युगल वर्ग एक्सडी-7 में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को गुरुवार को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के येओंगजिन जांग और मिग्यू ली के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद भाविना और शुभम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने 11-6, 8-11, 11-5, 11-9 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया, लेकिन अगले दोनों गेम गंवाने के कारण उसे फाइनल में पहुंचने का मौका नहीं मिला।
- आइची-नागोया में यह भारत का पैरा टेबल टेनिस की युगल स्पधाओं में पहला पदक है। वहीं, इस प्रतियोगिता के मौजूदा संस्करण में टेबल टेनिस में भारत का यह छठा पदक है। भाविना का इन खेलों में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिला एकल वर्ग 4-5 में कांस्य पदक जीता था।
- इस पदक के साथ भारत की कुल पदक संख्या 73 हो गई है। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 17 स्वर्ण, 22 रजत और 34 कांस्य पदक जीते हैं।

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक

रावलपिंडी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। ग्लेन मैक्सवेल के बाद ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं।



अब तक कितने बल्लेबाजों ने जड़े हैं दोहरे शतक

वनडे क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था। वहीं, ईशान किशन बांग्लादेश के विरुद्ध 126 गेंदों में यह कारनामा कर चुके हैं। ब्रूक से पहले ये रिकॉर्ड गिल के नाम ही था जो उन्होंने हाल ही में बनाया था, लेकिन ये रिकॉर्ड ज्यादा दिन तक नहीं टिक सका।

सोलैराज धर्मराज ने लंबी कूद में जीता स्वर्ण

आइची-नागोया। भारतीय पैरा एथलीट सोलैराज धर्मराज ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की लंबी कूद की टी44/टी62/टी64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दिन का शानदार अंत दिलाया। उन्होंने 7.15 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड छलांग लगाकर 807 अंक हासिल किए और शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया। इस स्वर्ण के साथ भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या 20 हो गई। हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीतने वाले धर्मराज ने इस बार अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने अपनी दूसरी कोशिश में 7.15 मीटर की छलांग लगाई, जो उन्हें स्वर्ण पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रही।



- मलेशिया के एडी बर्नार्ड ने 6.34 मीटर की छलांग के साथ 740 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। वह टी44 वर्ग के खिलाड़ी हैं। जापान के युमा तमाकी ने टी64 वर्ग में 6.89 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर 726 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

दिलीप ने 400 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण, भाविक को रजत

आइची-नागोया। एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की 400 मीटर टी-47 स्पर्धा में दिलीप महादू गावित ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि भारत के ही भाविक कुमार भरवाड़ ने रजत पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में भारत ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, पैरा तैराकी में स्वातिक पाटिल ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एसबी-9 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में एक और इजाफा किया।

- दिलीप महादू गावित ने 400 मीटर टी-47 दौड़ में 48.27 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भाविक कुमार भरवाड़ ने 49.31 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक जीता। जापान के काकेरू इशिदा 49.58 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें कांस्य पदक मिला। दिलीप का इन खेलों में यह दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने पुरुषों की 100 मीटर टी-47 स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था।

अंजनाबेन ने जीता स्वर्ण, जयन्ती को रजत

एजेन्सी, आइची-नागोया



एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का पदक जीतने का सिलसिला जारी है। पैरा एथलेटिक्स में अंजनाबेन बुम्बाडिया ने महिलाओं की 400 मीटर टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि इसी स्पर्धा में भारत की जयन्ती बेहेरा ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, तेजलबेन डामोर ने महिलाओं की 400 मीटर टी-12 स्पर्धा में रजत पदक जीता। पैरा बैडमिंटन में थुलासिमथि मुरुगेसन ने महिला एकल एसयू-5 के फाइनल में जगह बना ली, जबकि मनीषा रामदास को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। महिलाओं की 400 मीटर टी-47 स्पर्धा में अंजना बुम्बाडिया ने 59.97 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। भारत की ही जयन्ती बेहेरा ने एक मिनट 0.65 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। इस तरह भारत ने स्पर्धा में पहले और दूसरे स्थान पर कब्जा जमाया। महिलाओं की 400 मीटर टी-12 स्पर्धा के फाइनल में तेजलबेन डामोर ने 57.60 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने एशियाई पैरा खेल-2026 में अपना अभियान एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। वर्ष 2022 के एशियाई पैरा खेलों में राधा वेंकटेश इसी स्पर्धा में एक मिनट 7.16 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रही थीं।

एशियाई पैरा खेल:कपिल ने तैराकी में जीता रजत

आइची-नागोया। एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। तैराक कपिल कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस-10 स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने पुरुष एकल एसएल-3 के फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में उनका सामना हमवतन और पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार से होगा। इस तरह इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी भारत के खाते में आना तय है। कपिल कुमार ने 4 मिनट 38.44 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। जापान के अकितो मिनाई ने 4 मिनट 27.44 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि ईरान के शाहिन इजादियार ने 4 मिनट 38.65 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

- वहीं, बैडमिंटन के पुरुष एकल एसएल-3 वर्ग के सेमीफाइनल में प्रमोद भगत ने दक्षिण कोरिया के ली सेउंघू को 16-21, 21-18, 21-17 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

एशियन पैरा खेल

भारत ने चौथे दिन जीते 7 स्वर्ण सहित 26 पदक

एजेन्सी, आइची-नागोया



- एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। खेलों के चौथे दिन भारत ने 7 स्वर्ण सहित कुल 26 पदक अपने नाम किए। पैरा एथलेटिक्स, तीरंदाजी, तैराकी, बैडमिंटन और पैरा टेबल टेनिस में भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीतकर देश की पदक तालिका में इजाफा किया। शैलेश कुमार, शीतल देवी, तोमन कुमार, सुवर्णा राज, दिलीप गावित, अंजनाबेन बुम्बाडिया और सोलैराज धर्मराज ने स्वर्ण पदक जीते। भारत पदक तालिका में 88 पदक (21 स्वर्ण, 26 रजत और 41 कांस्य) के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया
- पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की ऊंची कूद टी63 स्पर्धा में भारत ने तीनों पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। शैलेश कुमार ने 1.89 मीटर की एशियाई खेल रिकॉर्ड छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। वरुण भाटी ने 1.84 मीटर की छलांग के साथ रजत और राहुल ने 1.81 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।
- तीरंदाजी में शीतल देवी ने महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में सिंगापुर की नूर अलीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। शीतल ने तोमन कुमार के साथ मिलकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी अपने नाम किया। इस तरह उन्होंने खेलों में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं, स्वाति चौधरी को महिलाओं की डब्ल्यू-1 स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की सेन मेंगकान से हार के बाद रजत पदक मिला।
- पैरा एथलेटिक्स की महिलाओं की चक्का फेंक एफ54 स्पर्धा में सुवर्णा राज ने स्वर्ण पदक जीता। पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप गावित ने 48.27 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने इससे पहले 100 मीटर टी47 स्पर्धा में भी स्वर्ण जीता था। इसी स्पर्धा में भाविक भारवाड़ ने शुरूआत में रजत पदक हासिल किया था, लेकिन लेन उल्लंघन को लेकर विरोध दर्ज कराए जाने के बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। दूसरे लेन उल्लंघन के कारण उनका परिणाम निरस्त किया गया।
- महिलाओं की 400 मीटर टी47 स्पर्धा में अंजनाबेन बुम्बाडिया ने 59.97 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जयंती बेहेरा ने एक मिनट 0.65 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक हासिल किया। महिलाओं की 400 मीटर टी12 स्पर्धा में तेजलबेन डामोर ने 57.60 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता। पुरुषों की लंबी कूद टी44/टी62/टी64 स्पर्धा में सोलैराज धर्मराज ने 7.15 मीटर की एशियाई खेल रिकॉर्ड छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और अपने खिताब का बचाव किया।
- पैरा तैराकी में कपिल कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस10 स्पर्धा में 4 मिनट 38.44 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता। रवि कार्तिक बुडिगिना ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा में 25.89 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। स्वस्तिक पाटिल ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एसबी9 स्पर्धा में एक मिनट 13.77 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। तेजस नंदकुमार ने पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक एस7 स्पर्धा में एक मिनट 18.58 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।
- महिलाओं की 400 मीटर टी11 स्पर्धा में रवन्नी वलासनैनी ने भी कांस्य पदक जीता।
- पैरा बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों ने कई पदक पक्के किए। पैरा टेबल टेनिस की मिश्रित युगल क्लास एक्सडी7 स्पर्धा के सेमीफाइनल में भाविना पटेल और शुभम वाधवा को दक्षिण कोरिया के जांग योंगजिन और ली मिग्यू से हार मिली।



कपिल ने तैराकी में जीता रजत, प्रमोदबैडमिंटन के फाइनल में

आइची-नागोया। एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। तैराक कपिल कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस-10 स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने पुरुष एकल एसएल-3 के फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में उनका सामना हमवतन और पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार से होगा। इस तरह इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी भारत के खाते में आना तय है।



सिमरन शर्मा ने 200 मीटर के बाद 100 मीटर दौड़ में भी लहराया तिरंगा

आइची नागोया। भारतीय पैरा स्प्रिंटर सिमरन शर्मा ने बुधवार को आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स 2026 में अपना दूसरा गोल्ड मेडल जीत लिया। सिमरन ने महिलाओं की 100 मीटर टी12 वर्ग की फाइनल रेस में 12.02 सेकंड का गेम्स रिकॉर्ड समय दर्ज करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इसी के साथ हीट्स में बनाए गए अपने ही पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया।

आगजनी की घटनाओं को रोकने हेतु मशीन संचालक अग्नि सुरक्षा संयंत्र, आग बुझाने के लिये सुनिश्चित करें

खेतों में धान कटाई के पश्चात बचने वाले ठूंट डंटल (पराली) को जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



मध्यप्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा की धारा 19 (5) में राज्य सरकार को प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना दिनांक 15.05.2017 जारी कर सर्व संबंधितों एवं आम जनता को निर्देशित करते हुये प्रदेश में तत्काल प्रभाव से खेतों में धान कटाई के पश्चात बचने वाले ठूंट एवं डंटल (पराली) को जलाना तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भिण्ड श्री पवन कुमार जैन ने मध्यप्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी उक्त अधिसूचना दिनांक 15.05.2017 के अनुपालन में फसल कटाने के उपरांत उसके अवशेषों (पराली) को जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण एवं आगजनी की घटनाओं से आमजन के स्वास्थ्य व जानमाल की सुरक्षा हेतु तथा भूमि की उर्वरा शक्ति बनाये रखने के उद्धेश्य से आदेशित किया है कि भिण्ड जिलान्तर्गत फसल कटाई के पश्चात बचने वाले अवशेष ठूंट एवं डंटल (पराली) को जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है। इसके अतिरिक्त हार्वेस्टर मशीन संचालकों को यह अनिवार्य होगा कि वह हार्वेस्टर मशीन के साथ-साथ स्ट्रा मेनेजमेंट सिस्टम लगाकर फसल कटाई उपरांत अवशेष से स्थल पर ही भूसा बनाकर अवशेष का निपटान करेंगे। प्रत्येक कम्बाईन हार्वेस्टर संचालक फसल कटाई प्रांरभ करने के पूर्व कृषि विभाग में सहायक कृषियंत्री, कृषि अभियांत्रिकीय भिण्ड के कार्यालय में अपना पंजीयन करायेंगे, ऑपरेटर एवं मशीन के संचालन हेतु कार्यरत स्टॉफ की जानकारी देंगे, सहायक कृषियंत्री, कृषि अभियांत्रिकीय भिण्ड उक्त से संबंधित रिकार्ड संधारित करेंगे एवं समय समय पर उसे राजस्व/कृषि/पुलिस विभाग को पंजीयन के संबंध में अवगत कराते रहेंगे। स्ट्रा मेनेजमेंट सिस्टम का उपयोग किये बिना यदि कोई कृषक फसल कटाने हेतु दबाव बनाता है तो संबंधित कम्बाईन हार्वेस्टर संचालक इसकी सूचना तत्काल संबंधित ग्राम पंचायत निगरानी अधिकारी/पंचायत सचिव या संबंधित पुलिस थाने/ नायब तहसीलदार/ तहसीलदार/ अनुविभागीय दण्डाधिकारी को देना सुनिश्चित करेगा। हार्वेस्टर मशीन एवं स्ट्रा मेनेजमेंट सिस्टम के उपयोग के दौरान मशीन से निकलने वाली चिंगारी से आगजनी की घटनाओं को रोकने हेतु मशीन संचालक अग्नि सुरक्षा संयंत्र के साथ-साथ आग बुझाने के लिये रेत एवं पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगा। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशानुसार किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था से उपरोक्त निर्देशों का उल्लंघन पाये जाने पर पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा। जिसमें छोटे भूमि मालिक जिनकी भूमि का क्षेत्र 2 एकड़ से कम है, को पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 2500/- रूपये प्रति घटना देना होंगे। भूमि मालिक जिनकी भूमि का क्षेत्र 2 एकड़ से अधिक व 5 एकड़ से कम है को पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 5000/- प्रति घटनादेना होंगे। भूमि मालिक जिनकी भूमि का क्षेत्र 5 एकड़ से अधिक है को पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 15000/- प्रति घटना देना होंगे।यह भी देखने में आया है कि खेतों के आसपास लगे ट्रांसफार्मर से कभी-कभी चिंगारी/शार्ट सर्किट से भी आगजनी की घटनाऐं घटित हो जाती हैं। अतः अधीक्षण यंत्री मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड भिण्ड पर्याप्त संख्या में दल गठित कर यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रांसफार्मर से फसल नष्ट होने का खतरा तो नहीं है। खतरा होने की दशा में कृषक की सहमति से ट्रांसफार्मर के आसपास 10-10 फिट क्षेत्र को खुला रखा जावै।

सीईओ जिला पंचायत ने दीनपुरा ग्राम पंचायत का किया निरीक्षण, सुधार के लिए सख्त निर्देश

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिंड श्री वीरसिंह चौहान ने 22 अक्टूबर को जनपद पंचायत भिंड की ग्राम पंचायत दीनपुरा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य पंचायत प्रशासन, सार्वजनिक स्वच्छता, विकास कार्यों की गुणवत्ता और राजस्व वसूली को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करना रहा। जिला पंचायत सीईओ श्री वीरसिंह चौहान ने हाल में भी ग्रामीण विकास एवं जनसुविधा कार्यों की जमीनी समीक्षा करते हुए समयबद्ध सुधार के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण में पंचायत भवन बंद पाया गया और सरपंच, सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायक अनुपस्थित मिले। इस पर सचिव को रिकॉर्ड उपलब्ध न कराने एवं अनुपस्थित रहने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। अधिकारी ने पुराने सीसी रोड निर्माण का रिकॉर्ड, निर्माणकर्ता, कार्य की समय-सीमा तथा तत्कालीन सचिव, सरपंच एवं उप-यंत्री की जानकारी मांगी, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। शांति धाम तक जाने वाली पुरानी सीसी सड़क खराब पाई गई, जिसकी जांच का निर्देश दिया गया। शांति धाम में सफाई एवं फेंसिंग की कमी पाने पर तुरंत सुधार के निर्देश दिए गए। यंत्री को कोई नया निर्माण कार्य शुरू न करने का नोटिस जारी किया गया और पुराने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांची जाएगी। संपत्ति कर सहित अन्य करों की वसूली के निर्देश ग्राम भ्रमण के दौरान नालियों में गंदगी और सफाई की कमी पाई गई। नई संपत्ति कर सहित अन्य करों की वसूली तुरंत प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। अवैध कॉलोनी निर्माण एवं बिना अनुमति मकान निर्माण की जानकारी, लाइसेंस, विकास तथा विक्रय अनुमति मांगी गई; अनुपलब्ध होने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बल्कि ग्रामीणों को बेहतर सड़क, स्वच्छता, पारदर्शी राजस्व व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य उपलब्ध कराना है। संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इंदौर स्टेशन पर यात्री बोले- बैठने वाली जगहों पर सफाई बेहतर हो



एक सत बुलेटिन,इंदौर

इंदौर रेलवे स्टेशन की सफाई व्यवस्था से यात्री संतुष्ट हैं, लेकिन बैठने वाली जगहों पर सफाई और बेहतर करने की जरूरत है। गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक अश्विनी कुमार ने स्टेशन पर यात्रियों से संवाद कर सफाई और यात्री सुविधाओं का फीडबैक लिया। यात्रियों ने स्टेशन की स्वच्छता की सराहना करते हुए सुधार के सुझाव भी दिए। डीआरएम ने प्लेटफॉर्म नंबर-1, प्रतीक्षालय सहित स्टेशन के अन्य हिस्सों का निरीक्षण किया। इस दौरान यात्रियों से पूछा कि वे सफाई व्यवस्था से कितने संतुष्ट हैं और किन सुविधाओं में सुधार की जरूरत है।

यात्रियों ने बैठने वाले स्थानों पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया। अश्विनी कुमार ने कहा कि स्टेशन परिसर को साफ रखने में रेलवे के साथ यात्रियों की भागीदारी भी जरूरी है। यात्रियों से मिलने वाले सुझाव सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। रेलवे स्वच्छता और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

विशेष अभियान 6.0 के तहत फतेहाबाद, चंद्रावतीगंज और देवास सहित रतलाम मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर भी जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें यात्रियों से स्वच्छता और सुविधाओं पर सुझाव लिए गए। सफाई कर्मचारियों से भी संवाद कर उनके अनुभव जाने गए और स्वच्छ रेल परिसर बनाए रखने में उनके योगदान की सराहना की गई। इंदौर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म और वेटिंग एरिया में बनी सिटिंग बेंचों पर सफाई व्यवस्था को और दुरुस्त करने की मांग यात्रियों ने उठाई है। स्टेशन पर नियमित झाड़ू-पोछा होने के बावजूद प्लेटफॉर्म पर बैठने वाली कुर्सियों, वेटिंग रूम की सीटों और उनके आसपास समय-समय पर धूल व कचरा जमा होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि शहर में तो स्वच्छता के मामले में इंदौर हमेशा नंबर वन रहता है, लेकिन रेलवे स्टेशन के सिटिंग एरिया में नियमित और गहन सफाई की जरूरत है। ट्रेन का इंतजार कर रहे मुसाफिरों ने मांग की है कि प्लेटफॉर्म पर लगे बेंचों की लगातार पोंछाई की जाए और डस्टबिन के आसपास सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि बैठने की जगहें पूरी तरह साफ-सुथरी रहें। इस संबंध में स्टेशन प्रबंधन का ध्यान आकर्षित करते हुए सफाई व्यवस्था की लगातार निगरानी करने का आग्रह किया गया है।

अग्रश्री अमृत बेला गरबा महोत्सव रविवार को, डीआईडी के कलाकार देंगे प्रस्तुति

इंदौर। अग्रश्री कपल्स ग्रुप की मेजबानी में रविवार, 25 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे से माणिक बाग रोड स्थित गुरु अमरदास हॉल में अग्रश्री अमृत बेला गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। चोइथराम हॉस्पिटल के पास होने वाले इस आयोजन में गरबा प्रस्तुतियों के साथ तंबोला, शॉपिंग स्टॉल और फूड जोन आकर्षण का केंद्र रहेंगे। संस्था की ओर से स्वाति-राजेश मंगल और शीतल-रवि अग्रवाल ने बताया कि समाजसेवी सपना-कुलभूषण मित्तल (कुक्की) की प्रेरणा से आयोजित महोत्सव का मुख्य आकर्षण 'झूमेगा इंदौर, खेलेगा तंबोला' रहेगा। इसमें डांस इंडिया डांस (डीआईडी) के कलाकार गरबा प्रस्तुतियां देंगे। प्रख्यात कलाकार शुभम कालरात्रि भी विशेष प्रस्तुति देंगे। आयोजन में तंबोला के विजेताओं के लिए वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव, कूलर और एलईडी टीवी सहित लाखों रुपये के पुरस्कार रखे गए हैं। परिसर में शॉपिंग स्टॉल और फूड जोन भी सजाए जाएंगे। महोत्सव की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम अवार्ड - समय का सफर, परंपरा से आधुनिकता की ओर' रखी गई है। आयोजन की रूपरेखा सिमरन अग्रवाल, ऋषिका अग्रवाल, की टीम तैयार कर रही है। आयोजकों के अनुसार, महोत्सव में संस्कृति, परंपरा और आधुनिक मनोरंजन का संगम देखने को मिलेगा।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस उत्सव पूर्ण उत्साह, एकता और गरिमा के साथ मनाया जाए: कलेक्टर पवन कुमार जैन

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 31 अक्टूबर को सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती तथा 1 नवंबर को मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस के भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन की तैयारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री सूरज कुमार वर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्री वीरसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री राजन बी नाडिया, एसडीएम लहार श्री प्रदीप मिश्रा, एसडीएम भिण्ड श्री महेन्द्र सौजन्या सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिए कि सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती के अवसर पर प्रातः रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम की समस्त तैयारियां पूर्ण की जाएं। स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग स्कूलों और कॉलेजों में सरदार पटेल के जीवन एवं योगदान पर आधारित कार्यक्रमों की योजना बनाएं। रन फॉर यूनिटी के मार्ग पर स्वच्छता, सड़क सुधार और चूने की लाइन कराने के निर्देश नगर पालिका भिण्ड के सीएमओ को दिए गए। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि 1 नवंबर की प्रातःकालीन कार्यक्रम में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान गाया जाएगा, जबकि संध्याकाल में स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी शासकीय कार्यालयों पर प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को सम्मानपूर्वक एवं समय पर आमंत्रित किया जाए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों के नाम चिन्हित किए जाएं, ताकि उनको स्थापना दिवस कार्यक्रम में सम्मानित किया जा सके। साथ ही स्थापना दिवस पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के लिए स्थान चिन्हित कर सभी तैयारियां सुनिश्चित करने कहा गया। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि यह केवल शहर का नहीं, बल्कि लोगों का और हम सबका कार्यक्रम है। अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस उत्सव पूर्ण उत्साह, एकता और गरिमा के साथ मनाया जा सके।

निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण, मच्छी बाजार में यातायात बाधित कर रही सामग्री हटाने को कहा

एक सत बुलेटिन, इंदौर



शहर की सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिलने पर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सख्ती दिखाई। हरसिद्धि, मोती तबेला और छावनी क्षेत्र में कचरा व गंदगी मिलने पर संबंधित दरोगा और सीएसआई का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। आयुक्त ने हरसिद्धि, मच्छी बाजार, मोती तबेला, छावनी, सराफा और राजवाड़ा क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। मच्छी बाजार में यातायात बाधित कर रही अनावश्यक फर्नीचर और अन्य सामग्री हटाने को कहा। साथ ही विद्युत डीपी और खंभों के आसपास विशेष सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त सिंघल ने 23 अक्टूबर को चिमनबाग स्काउट ग्राउंड में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शिविर की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष कुमार पाठक सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

इंदौर में 28 अक्टूबर को जुटेंगे शहरी विकास के विशेषज्ञ और जल सुरक्षा पर होगा मंथन

इंदौर। शहरों की प्लानिंग, जल सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए निवेश की संभावनाएं तलाशने के उद्देश्य से 28 अक्टूबर को इंदौर में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 आयोजित होगा। राज्य स्तरीय सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञ, नीति निर्माता, प्रशासनिक अधिकारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शहरी विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। कॉन्क्लेव में चार सत्र होंगे।



इनमें आधुनिक शहरी नियोजन, डिजिटल गवर्नेंस, जल संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरण प्रबंधन और शहरी अधोसंरचना के लिए निवेश जुटाने पर फोकस रहेगा। पहले सत्र में शहरी पुनर्विकास, ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) और ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) के जरिए शहरों की प्लानिंग बेहतर बनाने पर चर्चा होगी। दूसरे सत्र में डिजिटल तकनीक और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से नागरिक सेवाओं को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाने के उपायों पर विचार किया जाएगा। तीसरे सत्र में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल शहरों के विकास, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और चक्रीय अर्थव्यवस्था पर चर्चा होगी। चौथे सत्र में शहरी अधोसंरचना के विकास, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी), नगर निकायों के वित्तीय संसाधन बढ़ाने और निवेश की संभावनाओं पर मंथन होगा।

कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापनए एसआईआर का विरोध, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग

सपा ने ओबीसी को 52% आरक्षण और एमएसपी गारंटी की मांग उठाई

एक सत बुलेटिन,इंदौर

ओबीसी को 52 प्रतिशत आरक्षण देने और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी ने कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी की गई। प्रदर्शन का नेतृत्व सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामबाबू अग्रवाल, प्रदेश महासचिव रामस्वरूप मंत्री, जिला अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह और नगर अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने किया। कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी कर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। ज्ञापन में पिछड़ा वर्ग को 52 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की गई। साथ ही एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में नामों से संबंधित आपत्तियों का निराकरण करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग उठाई गई। पार्टी ने किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी का कानून लागू करने और किसानों की



समस्याओं का स्थायी समाधान करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश महासचिव रामस्वरूप मंत्री ने ज्ञापन का वाचन किया। इसके बाद एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन राज्यपाल को संबोधित करते हुए सौंपा गया। प्रदर्शन में मोहम्मद अली सिद्दीकी, किशन मौर्य, जीके यादव, डीएस मिश्रा, पवन यादव, नसीम खान, मुन्ना भाई, सुषमा यादव और इंद्रदेव यादव सहित अन्य महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए। मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) ने अन्य पिछड़ा वर्ग को उनकी आबादी के अनुपात में 52% आरक्षण दिए जाने और किसानों के लिए एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। सपा प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि मध्य प्रदेश में ओबीसी की आबादी 52% से अधिक है, इसलिए 'जिसकी जितनी संख्या, उसकी उतनी भागीदारी' के सिद्धांत के तहत उन्हें पूरा हक मिलना चाहिए। पार्टी ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे समय से सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा सरकार ओबीसी को 27% आरक्षण का लाभ भी जमीन पर पूरी तरह नहीं दिला पाई है और यह मामला कानूनी अड़चनों में उलझा हुआ है। समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर केवल कोरे आश्वासन देने के बजाय ठोस कानूनी कदम उठाए और ओबीसी आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे।

'लोकतंत्र बचाओ-भीड़तंत्र हटाओ' अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी

कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए लोकतंत्र का गला घोंटा : हेमंत खण्डेलवाल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल एवं केंद्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने दिल्ली से (वर्चुअल) एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखर ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में लोकतंत्र बचाओ-भीड़तंत्र हटाओ अभियान को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित किया। 24 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलाए जा रहे इस अभियान के लिए प्रदेश टोली के साथ अलग-अलग अभियानों की टोली का गठन भी किया गया है। अभियान की प्रदेश टोली एवं अलग-अलग कार्यक्रमों के लिए गठित टोलियों की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर व अन्य विषयों को लेकर फैलाए जा रहे झूठ को उजागर करने पार्टी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंचे और तथ्यों के साथ जनता को वास्तविकता से अवगत कराएं। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए भी लोकतंत्र का गला घोंटा, विपक्ष में रहकर भी भ्रम फैला रही है। इस अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर व अन्य विषयों को लेकर कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठे नैरेटिव को तथ्यों के साथ पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच पहुंचकर जवाब दें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पार्टी के आगामी कार्यक्रम 'लोकतंत्र बचाओ-भीड़तंत्र हटाओ' अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाना पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। भाजपा का कार्यकर्ता इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और क्षमता के साथ निभाने में सक्षम है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच पहुंचकर तथ्यों के साथ वास्तविकता से अवगत कराएंगे। लोकतंत्र की रक्षा के लिए चलाए जा रहे इस अभियान को प्रभावी रूप से बूथ स्तर तक ले जाना है। पार्टी कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर लोकतांत्रिक संस्थाओं के महत्व और उनकी मजबूती के विषय में संवाद करेंगे। अभियान के माध्यम से कांग्रेस के आरोपों और उसके राजनीतिक दृष्टिकोण से जुड़े तथ्यों को जनता के सामने रखा जाएगा, ताकि समाज में फैलाए जा रहे भ्रम को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता संगठन की शक्ति और जनसंपर्क के माध्यम से इस अभियान को व्यापक बनाएंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी से अभियान का संदेश घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब भी लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं को कमजोर करने का काम करती रही। आज विपक्ष में रहते हुए भी लोकतंत्र को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। देश की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है।

उप मुख्यमंत्री ने की रीवा विधानसभा में जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजनाओं के निर्माण की समीक्षा की। सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा विधानसभा के 23 ग्रामों की विस्तारित योजना की प्रशासकीय स्वीकृति शासन द्वारा 3 अक्टूबर 2023 को दी गई थी। पीएचई विभाग की लापरवाही के कारण अभी तक नए कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तीन साल में कार्य शुरू न होने की जाँच करके दोषियों के विरूद्ध समुचित कार्रवाई करें। जिन नल-जल योजनाओं का कार्य पूरा हो गया है उन्हें ग्राम पंचायतों को हैंडओवर कराकर उनका नियमित संचालन कराएं, जिससे प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुसार हर घर को नल से स्वच्छ जल मिल सके। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने सरपंचों को 'सुमन पंचायत' बनाने का अनूठा सुझाव दिया। उन्होंने सरपंचों से कहा कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण करें। गर्भवती महिलाओं की सभी जांचें समय पर हों, प्लेटलेट्स की जांच की जाए और ग्राम पंचायत को कुपोषण मुक्त बनाने के प्रयास किए जाएं, क्योंकि ऐसा करने पर शासन द्वारा एक लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। साथ ही, जो ग्राम पंचायतें जल जीवन मिशन का बेहतर संचालन करेंगी।

भोपाल के 71 रेलवे स्टेशनों पर 'रेल जन संवाद' अधिकारियों ने यात्रियों से सीधे लिए सुझाव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



यात्रियों की समस्याओं को सुनने, उनके सुझाव प्राप्त करने तथा रेल सेवाओं एवं यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल में आज दिनांक 22 अक्टूबर 2026 को विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 'रेल जनसंवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान रेल अधिकारियों ने यात्रियों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त की। भोपाल रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने यात्रियों से सीधे संवाद किया तथा उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। उन्होंने यात्रियों से स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, प्रतीक्षालय तथा अन्य यात्री सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि यात्रियों, रेलकर्मियों एवं मीडिया से प्राप्त सकारात्मक सुझाव रेलवे की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। 'रेल जन संवाद' जैसी पहल से रेलवे प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संपर्क बढ़ने के साथ सेवाओं को अधिक यात्री-केंद्रित बनाने में सहायता मिलेगी। डीआरएम श्री त्यागी ने जनसंवाद कार्यक्रम के पश्चात भोपाल स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक पहलुओं की समीक्षा की। नर्मदापुरम स्टेशन पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने यात्रियों से संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों को रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, स्टेशन विकास एवं पुनर्विकास कार्यों, स्वच्छता, सुरक्षा तथा यात्री हित से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी गई। यात्रियों से प्राप्त सुझावों एवं फीडबैक के माध्यम से यात्री सुविधाओं में सुधार तथा रेल सेवाओं को अधिक सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान : वार्ड 45 में जनकल्याण शिविर

भोपाल। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान -2026 के अंतर्गत भोपाल नगर निगम के जोन क्रमांक-10, वार्ड क्रमांक-45, इंदिरा गांधी वार्ड में 23 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुँचाने की कार्रवाई की जाएगी। अभियान के अंतर्गत वार्ड में स्थित शासकीय संस्थानों के निरीक्षण के लिए 11 अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में अपर कलेक्टर, भोपाल द्वारा आदेश जारी किया गया है। अधिकारी विधानसभा क्षेत्र मध्य के अंतर्गत आने वाले इस वार्ड में आंगनवाड़ी केंद्रों,उचित मूल्य की दुकानों, छात्रावासों तथा अन्य शासकीय संस्थानों की व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली का निरीक्षण करेंगे।

ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को मिली एक और उपलब्धि

वेस्टर्न रीजन में सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस के लिए प्रदेश को लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय सम्मान: तोमर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को वेस्टर्न रीजन में सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस (2.60 प्रतिशत)दर्ज करने के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। कंपनी को यह सम्मान लगातार दूसरे वर्ष प्राप्त हुआ है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रदेश की सुदृढ़ विद्युत ट्रांसमिशन व्यवस्था, तकनीकी दक्षता, नवाचारों और निरंतर सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन लॉस को न्यूनतम रखते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। अतिरिक्त मुख्य अभियंता आरसी शर्मा एवं वसंत कर्नाड ने प्राप्त किया सम्मान-एमपी ट्रांसको की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता आरसी शर्मा एवं वसंत कर्नाड ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। पुरस्कार ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पॉसोको (वर्तमान में ग्रिड-इंडिया) के पूर्व एवं संस्थापक मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस.के. सूनी ने प्रदान किया। ट्रांसमिशन क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाली विद्युत कंपनियों को दिया जाता है पुरस्कार-भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय से मान्यता प्राप्त इस प्रतिष्ठित मंच से दिया जाने वाला यह पुरस्कार पावर सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका पावर लाइन द्वारा स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य भारतीय विद्युत ट्रांसमिशन क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाली विद्युत कंपनियों को प्रोत्साहित करना है। वेस्टर्न रीजन में शामिल हैं पांच राज्य और दो केंद्रशासित प्रदेश वेस्टर्न रीजन में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ और गोवा सहित पांच राज्य शामिल हैं। इसके अलावा, केंद्रशासित प्रदेश दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली भी इस क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मिला संबल, 25 लाख की लागत से स्थापित की इकाई

भोपाल। महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर प्रदान कर रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत भोपाल जिले के फंदा विकासखंड के ग्राम डोबरा जागीर निवासी श्रीमती लवली गुप्ता ने शोभायमान मछली पालन (ऑर्नामेंटल फिश फार्मिंग) के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक पद्धति को अपनाकर मत्स्य पालन को स्वरोजगार का माध्यम बनाया है। लवली गुप्ता ने वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत कुल ?25 लाख की लागत से शोभायमान मछली पालन इकाई स्थापित की। इस परियोजना के लिए उन्हें ?15 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ, जो परियोजना लागत का 60 प्रतिशत है। उन्होंने 10 वर्ष की पंजीकृत लीज पर भूमि लेकर मछलियों के प्रजनन और उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। इस इकाई के माध्यम से स्थानीय स्तर पर शोभायमान मछलियों की मांग पूरी करने के साथ ही अन्य जिलों की आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इससे स्थानीय बाजार को मछलियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और परिवहन पर निर्भरता कम करने की संभावनाएं विकसित हुई हैं।



विकसित भारत युवा संसद 2027 के लिए आवेदन आमंत्रित, 30 अक्टूबर तक कर सकेंगे पंजीकरण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मेरा युवा भारत (माय भारत), भोपाल की ओर से विकसित भारत युवा संसद 2027 के आठवें संस्करण के लिए युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना, उन्हें सार्वजनिक मुद्दों से जोड़ना और राष्ट्रीय विकास के साथ नीति-निर्माण की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। इच्छुक युवा माय भारत के आधिकारिक पोर्टल https//mybharat.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित की गई है। विकसित भारत युवा संसद 2027 का आयोजन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के एक विशेष ट्रैक के रूप में किया जाएगा। इसके माध्यम से युवाओं को संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आवेदक की आयु 17 अगस्त 2026 तक 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। युवा संसद के पिछले संस्करणों के राष्ट्रीय दौर के फाइनलिस्ट इस बार भाग लेने के पात्र नहीं होंगे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ गैर-विद्यार्थियों, ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों के युवाओं को भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।विकसित भारत युवा संसद 2027 का आयोजन जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर ऑफलाइन किया जाएगा। 31 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक देश के 786 जिलों में जिला दौर आयोजित होगा। इसमें प्रतिभागियों को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर तीन मिनट का भाषण देना होगा। भाषण हिंदी, अंग्रेजी या किसी आधिकारिक क्षेत्रीय भाषा में दिया जा सकेगा।



भोपाल के सात विसर्जन घाटों पर 2963 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

भोपाल। नगर पालिक निगम भोपाल द्वारा माँ दुर्गा की छोटी-बड़ी प्रतिमाओं को पूर्ण विधि-विधान के साथ ससम्मान विसर्जित करने हेतु बेहतर व्यवस्थाएं सभी 07 प्रमुख विसर्जन घाटों पर सुनिश्चित की गई हैं जिनके कारण श्रद्धालुजन माँ दुर्गा की छोटी एवं बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन सुगमता के साथ निरंतर कर रहे हैं और गुरूवार को समाचार लिखे जाने तक 07 स्थाई विसर्जन घाटों पर लगभग 2963 छोटी एवं बड़ी प्रतिमाएं विसर्जित की जा चुकी हैं। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने प्रेमपुरा घाट का निरीक्षण किया और सभी प्रमुख विसर्जन घाटों पर तैनात नोडल अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों को विसर्जन हेतु की गई व्यवस्थाओं पर सतत रूप से निगरानी रखने और विसर्जन कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में शहर के 07 प्रमुख विसर्जन घाटों पर माँ दुर्गा की छोटी-बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन पूर्ण विधि विधान, ससम्मान एवं सुरक्षित ढंग से कराये जाने के दृष्टिगत निगम ने शहर के 07 प्रमुख विसर्जन घाटों पर क्रेन, पोकलेन हेतु प्लेटफार्म, बोट्स, सभी आवश्यक संसाधनों से लैस गोताखोर व फॉयर ब्रिगेड का अमला तैनात किया है साथ ही विसर्जन घाटों एवं उनके पहुंच मार्गों पर बेहतर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश एवं पेयजल की व्यवस्था के साथ ही विसर्जन घाटों पर कंट्रोल रूम स्थापित किये गये हैं।



ओबीसी युवाओं के कौशल विकास और वैश्विक रोजगार के लिए ऐतिहासिक कदम

सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना मध्यप्रदेश : राज्यमंत्री गौर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने युवा कल्याण और नवाचार की दिशा में एक नया और अभूतपूर्व इतिहास रचा है। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज परिसर में आयोजित समारोह में भारत की सर्वप्रथम 'सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड फ्रेमवर्क परियोजना' के अंतर्गत एनएसई-सोशल स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पर आधिकारिक लिस्टिंग, बेल-रिंगिंग सेरेमनी एवं त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापनस्ताक्षरित किए गए। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि प्रदेश और विभाग के लिए यह अत्यंत गौरवशाली विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप सामाजिक कल्याण योजनाओं के पारदर्शी एवं प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के लिए सोशल स्टॉक एक्सचेंज का सफल क्रियान्वयन करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला और अग्रणी राज्य बन गया है। मध्यप्रदेश शासन का पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग इस अभिनव 'सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड' वित्तीय मॉडल के माध्यम से छात्रों के कल्याण की दिशा में कदम उठाने वाला देश का पहला विभाग बना है। जापान और जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय रोजगार से युवा बनेंगे स्वावलंबी राज्य मंत्री श्री गौर ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन, नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, नाबार्ड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के संयुक्त एवं समन्वित प्रयासों से यह महत्वाकांक्षी परियोजना साकार हुई है।



योजना के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में निवासरत अन्य पिछड़ा वर्ग के 600 होनहार युवाओं को (300 युवा जापान एवं 300 युवा जर्मनी) गुणवत्तापूर्ण आवासीय कौशल प्रशिक्षण, संबंधित देश की भाषा का गहन ज्ञान एवं विशिष्ट व्यावसायिक प्रदान कर विकसित देशों में अंतर्राष्ट्रीय रोजगार के स्वर्णिम अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस परियोजना के इश्यू को निवेशकों द्वारा ओवर-सब्सक्राइब किया जाना इसकी विश्वसनीयता और जन-विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। युवाओं को वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण रोजगार मिलने से उनमें आत्म-गौरव, आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन की भावना सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन के अनुरूप, इस पूरी परियोजना का वित्तीय प्रबंधन सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर पंजीकृत जीरो कूपन जीरो प्रिंसीपल इंस्ट्रूमेंट के जरिए किया जा रहा है। यह योजना पूर्णतः परिणाम-आधारित है, जिसमें कुल प्रशिक्षण शुल्क का 50 प्रतिशत भाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा आउटकम फण्डर के रूप में वहन किया जाएगा, 35 प्रतिशत भाग सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड के माध्यम से प्रबंधित होगा, तथा शेष 15 प्रतिशत राशि संबंधित ओबीसी हितग्राही युवा द्वारा वहन की जाएगी। योजना की पारदर्शिता और सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकृत स्वतंत्र थर्ड पार्टी द्वारा 'सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट' (सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन) किया जाएगा। सकारात्मक मूल्यांकन रिपोर्ट मिलने और संबंधित युवा के सफलतापूर्वक विदेश में रोजगार प्राप्त कर लेने पर ही राज्य शासन द्वारा एनएसडीसी को 50 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा; अन्यथा राज्य सरकार पर कोई वित्तीय भार देय नहीं होगा।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।

RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088